सी.बी.एस.ई.

हल प्रश्न-पत्र-2024

हिन्दी 'ब'

कक्षा–X

(Delhi & Outside Delhi Sets)

निर्धारित समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश—

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पूर्ण रूप से अनुपालन कीजिए।

(i) इस प्रश्न-पत्र में कुल **18** प्रश्न हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में **दो** खंड हैं—खंड 'अ' और 'ब'।

(iii) **खंड 'अ'** में उपप्रश्नों सहित **45** बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल **40** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(iv) **खंड 'ब'** में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।

(v) प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए।

(vi) यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

Delhi Set-1 **4/1/1**

खण्ड–'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए— $1 \times 5 = 5$

ग्रीष्म अवकाश के समय को पढ़ाई के दबाव से परे रचनात्मक सोच, सामुदायिक समझ और रिश्तों से जुड़ाव को पोषित करने में लगाना ज़रूरी है। सामुदायिक केन्द्रों से जुड़े और सेवा देने वाले बच्चों का स्वास्थ्य बेहतर होता है। ऐसे बच्चे न केवल समाज से जुड़ते हैं, बल्कि खुश भी रहते हैं।

यह जुड़ाव बच्चों की मानसिक और शारीरिक सेहत सँवारने के साथ ही मानवीय प्रवृत्तियों को भी सार्थक दिशा देता है।

छुट्टियों का समय रिश्तों -नातों को जानने और जीने का भी मौका होता है। पहले संयुक्त परिवार में बच्चे दादा-दादी, चाचा-चाची, ताऊ-ताई, बुआ के साथ रह कर बड़े होते थे । रिश्तेदारों का आना-जाना भी खूब होता था। मगर अब ऐसी व्यस्त ज़िंदगी है कि बच्चे सिर्फ़ अपने माता-पिता को ही जानते हैं। छुट्टियों का यह समय ऐसे सम्बन्धों को जीने और जानने में लगाया जाए, यह खुद बच्चों के लिए ही नहीं, हमारे पारिवारिक और सामाजिक ताने-बाने को सहेजने के लिए भी ज़रूरी है। कुछ साल पहले एक ऑनलाइन पर्यटन कंपनी द्वारा किए गए परिवार सर्वेक्षण के अनुसार सत्तानवे प्रतिशत भारतीय किशोरों ने महसूस किया कि परिवार की छुट्टियाँ उन्हें अपने भाई-बहनों के करीब लाती हैं। उनहत्तर प्रतिशत ने माना कि उनकी पसंदीदा यादें परिवार के साथ बिताई छुट्टियों से जुड़ी हैं। बहुत-से सामाजिक मनोवैज्ञानिक अध्ययन भी बताते हैं कि अवकाश का समय बच्चों को नई ऊर्जा और उत्साह से भर देता है। छुट्टियाँ बच्चों को खुश और होशियार बनाती हैं। सामाजिक कौशल सिखाती हैं। यह अभिभावकों के साथ अनौपचारिक रूप से संवाद करने का समय होता है। भटकाव के मौजूदा परिवेश में ऐसा खुला संवाद किशोरों की मानसिकता समझने में सहायक होता है। नई पीढ़ी को दिशाहीन होने से बचा सकता है। समय रहते अभिभावकों को सचेत कर सकता है।

(i) बच्चों के बीच रचनात्मक सोच, सामुदायिक समझ और रिश्तों से जुड़ाव को पोषित करने के लिए क्या अपेक्षित है?

(a) रचनात्मक गतिविधियों में भागीदारी
(b) ग्रीष्मावकाश का सदुपयोग करना
(c) परस्पर परिचर्चा में सभी की भागीदारी
(d) शिक्षा की बुनियाद रखना

(ii) सामुदायिक केन्द्रों में सेवा देने वाले बच्चे किस प्रकार लाभान्वित होते हैं?

(I) बेहतर स्वास्थ्य पाकर **(II)** प्रसन्नचित्त होकर
(III) व्यस्त होकर **(IV)** वेतन पाकर

विकल्प—

(a) I - II **(b)** III - IV
(c) I - III **(d)** II - IV

(iii) अब पारिवारिक सम्बन्धों में क्या बड़ा परिवर्तन हुआ है?

(a) एकल परिवारों का सीमित होना
(b) संयुक्त परिवारों में वृद्धि होना
(c) एकल परिवारों में वृद्धि होना
(d) पड़ोस संस्कृति की समाप्ति होना

(iv) निम्नलिखित **कथन** तथा **कारण** को पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए—
कथन: पारिवारिक ताने-बाने को सहेजने की आवश्यकता है।
कारण: परिवारों और समाज के संकुचित होने से स्वस्थ सामाजिक विकास अवरुद्ध हो रहा है।
विकल्प—
(a) कथन और कारण दोनों गलत हैं।
(b) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।
(c) कथन सही है, लेकिन कारण उसकी गलत व्याख्या करता है।
(d) कथन गलत है, लेकिन कारण सही है।

(v) निम्नलिखित में से कौन-सा/से वाक्य गद्यांश से मेल खाता है/खाते हैं?
(I) अवकाश बच्चों में नई ऊर्जा और उत्साह भरता है।
(II) छुट्टियों में भाई-बहनों के समीप आने की संभावना बढ़ती है।
(III) माता-पिता से बहुत कुछ जानने-सीखने का अवसर मिलता है।
(IV) नई पीढ़ी के दिशाहीन होने की संभावनाएँ बढ़ती हैं।
विकल्प—
(a) केवल I **(b)** II और III
(c) केवल IV **(d)** I, II और III

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए— **1 × 5 = 5**

नदियों को धरती का प्राण माना जाता है। ये हमारी पृथ्वी व समस्त जीव-जगत को जीवन देती हैं। जब नदियों के जीवन पर ही संकट मंडरा रहा हो तो अन्य जीव जगत पर क्या असर होगा?
यह स्थिति डराती है। खासकर तब, जब विशेषज्ञों का मानना है कि 2030 तक दुनिया में पानी की माँग कुल आपूर्ति से ज़्यादा हो जाएगी। इसका एक बड़ा कारण यह भी है कि हमने नदियों के प्रवाह को बाधित किया है, उनके प्रवाह मार्ग में अवरोध पैदा किए हैं और उनमें अपनी आत्मा का सर्वस्व उड़ेलने वाली छोटी नदियों की परवाह ही नहीं की। नदियों के तटों पर अतिक्रमण कर हम विकास का नारा बुलंद कर रहे हैं। नदियाँ दु:खी न हों तो क्या करें? ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैण्ड सहित यूरोप के विविध देशों में शायद इसीलिए नदियों के तटबंध तोड़े जा रहे हैं ताकि नदियों को उद्दाम प्रवाह की आज़ादी मिल सके। इस प्रसंग में छोटी नदियों को पुनर्जीवित करना बहुत ज़रूरी है, क्योंकि छोटी नदियाँ न केवल किसी क्षेत्र विशेष की जल सम्बन्धी ज़रूरतों को पूरी करती हैं, बल्कि अनेक छोटी नदियाँ मिलकर किसी बड़ी नदी को अपने समर्पण से समृद्ध भी करती हैं।
छोटी नदियों को बचाने के लिए संसाधनों से अधिक संकल्प की आवश्यकता है। भू-जल स्तर, पारिस्थितिकी तंत्र एवं जैव विविधता को स्थिर रखने के लिए नदियों के प्रवाह क्षेत्र को अतिक्रमण से बचाना व प्रदूषण मुक्त रखना बेहद ज़रूरी है। शासन-प्रशासन व आमजन की दृढ इच्छाशक्ति, निगरानी और नियंत्रण द्वारा ही नदियों को बचाया जा सकता है।

(i) गद्यांश के अनुसार कौन-सी स्थिति डराती है?
(a) जलीय जीव-जंतुओं की संख्या का कम होना।
(b) नदियों के तटों पर औद्योगिक विकास होना।
(c) नदियों का अपने मार्ग को छोड़कर बहना।
(d) जीवनदायिनी नदियों का प्रदूषित होना।

(ii) विशेषज्ञ 2030 तक, किस बात के लिए सचेत कर रहे हैं?
(a) लगभग सभी नदियाँ प्रदूषित हो जाएँगी।
(b) हमें नदियों का प्रवाह बाधित करना पड़ेगा।
(c) हमें छोटी नदियों की परवाह करनी होगी।
(d) जल की आपूर्ति जल की माँग से बहुत कम हो जाएगी।

(iii) नदियों को जीवित रखने के लिए क्या-क्या करना होगा?
(I) तट अतिक्रमण पर रोक
(II) पुनर्जीवित करने की कोशिश
(III) आत्मा का सर्वस्व उड़ेलना
(iv) विकास का नारा बुलंद करना
विकल्प—
(a) I - II **(b)** III - IV
(c) II - III **(d)** I - IV

(iv) निम्नलिखित **कथन** और **कारण** को पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनिए—
कथन: यूरोप के देशों में नदियों के तटबंध तोड़े जा रहे हैं।
कारण: नदियों को उद्दाम प्रवाह की आज़ादी मिले और वे पुनर्जीवित हो जाएँ।
विकल्प—
(a) कथन और कारण दोनों गलत हैं।
(b) कथन सही है, लेकिन कारण उसकी गलत व्याख्या करता है।
(c) कथन व कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।
(d) कथन गलत है, लेकिन कारण सही है।

(v) 'जैव विविधता' से अभिप्राय है—
(a) पृथ्वी पर जीव-जंतुओं की विविधता
(b) पृथ्वी पर पेड़-पौधों की विविधता
(c) जीव-जंतुओं और वनस्पति की विविधता
(d) मानवीय-जीवन की विविधता

3. निर्देशानुसार 'पदबंध' पर आधारित निम्नलिखित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए— **1 × 4 = 4**

(i) लगा कि पूरा एक काफ़िला चला आ रहा हो। रेखांकित का पदबंध है—
(a) संज्ञा पदबंध **(b)** सर्वनाम पदबंध
(c) क्रिया-विशेषण पदबंध **(d)** क्रिया-पदबंध

(ii) "कोई पाँच महीने हुकूमत की होगी।" में रेखांकित का पदबंध है—
(a) संज्ञा पदबंध **(b)** सर्वनाम पदबंध
(c) विशेषण पदबंध **(d)** क्रिया पदबंध

(iii) "बाहर बेढब-सा एक मिट्टी का बरतन था।" रेखांकित पदबंध का भेद है—
(a) संज्ञा पदबंध **(b)** सर्वनाम पदबंध
(c) क्रिया पदबंध **(d)** विशेषण पदबंध

(iv) "तताँरा एक नेक और मददगार व्यक्ति था।" रेखांकित पदबंध का भेद है—
(a) संज्ञा पदबंध **(b)** सर्वनाम पदबंध
(c) विशेषण पदबंध **(d)** क्रिया-विशेषण पदबंध

(v) निम्नलिखित में से क्रिया-विशेषण पदबंध का उदाहरण छाँटकर लिखिए—
(a) मुसीबत में सभी उसका स्मरण करते और वह भागा-भागा वहाँ पहुँच जाता।
(b) मुसीबत में सभी उसका स्मरण करते और वह भागा-भागा वहाँ पहुँच जाता।
(c) मुसीबत में सभी उसका स्मरण करते और वह भागा-भागा वहाँ पहुँच जाता।
(d) मुसीबत में सभी उसका स्मरण करते और वह भागा-भागा वहाँ पहुँच जाता।

4. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित निम्नलिखित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 1 × 4 = 4

(i) निम्नलिखित में से उपयुक्त सरल वाक्य छाँटकर लिखिए—
(a) एक लोककथा है जो आज भी दोहराई जाती है।
(b) गायन इतना प्रभावी था कि वह अपनी सुध-बुध खोने लगा।
(c) निकोबारी उसे बहुत प्रेम करते थे क्योंकि वह समझदार था।
(d) सूरज समुद्र से लगे क्षितिज तले डूबने को था।

(ii) "तताँरा बहुत संवेदनशील था तथा समूचे द्वीपवासियों की सेवा करना अपना परम कर्तव्य समझता था।" रचना के आधार पर वाक्य-भेद है—
(a) सरल वाक्य (b) मिश्र वाक्य
(c) संयुक्त वाक्य (d) निषेध वाक्य

(iii) "उसे ज्ञात ही न हो सका कि अजनबी युवक उसे ताके जा रहा था।" रचना के आधार पर वाक्य-भेद है—
(a) सरल वाक्य (b) मिश्र वाक्य
(c) संयुक्त वाक्य (d) सामान्य वाक्य

(iv) निम्नलिखित में मिश्र वाक्य छाँटकर लिखिए—
(a) कुछ था जो दोनों के भीतर बह रहा था।
(b) कुछ युवकों ने इस प्रेम को भाँप लिया।
(c) वामीरो कुछ सचेत हुई और घर की तरफ़ दौड़ पड़ी।
(d) दोनों के हृदय व्यथित थे।

(v) स्तंभ 'अ' और स्तंभ 'ब' को सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए—

स्तंभ 'अ'	स्तंभ 'ब'
I. वह अचंभित था और रोमांचित भी था।	1. मिश्र वाक्य
II. तताँरा उसे जाते हुए निहारता रहा।	2. संयुक्त वाक्य
III. बस भीतर समर्पण था जो अनवरत गहरा था।	3. सरल वाक्य

विकल्प—
(a) I. 1 II. 2 III. 3
(b) I. 2 II. 1 III. 3
(c) I. 3 II. 2 III. 1
(d) I. 2 II. 3 III. 1

5. निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित निम्नलिखित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए— 1 × 4 = 4

(i) 'आत्मगौरव' समस्तपद कौन-से समास का उदाहरण है?
(a) द्विगु समास (b) तत्पुरुष समास
(c) कर्मधारय समास (d) अव्ययीभाव समास

(ii) 'बेवक्त' समस्तपद का समास-भेद होगा—
(a) तत्पुरुष समास (b) कर्मधारय समास
(c) अव्ययीभाव समास (d) बहुव्रीहि समास

(iii) 'महात्मा' समस्तपद का विग्रह होगा—
(a) महात्मा की आत्मा (b) महान की आत्मा
(c) महा की आत्मा (d) महान है जो आत्मा

(iv) निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—

समस्तपद	समास
I. मृगनयनी	1. बहुव्रीहि समास
II. श्वेतांबर	2. तत्पुरुष समास
III. नदी-नाले	3. द्विगु समास
IV. आत्मनिर्भर	4. अव्ययीभाव समास

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-से सही सुमेलित हैं?
(a) केवल (IV) (b) केवल (I)
(c) (I) और (III) (d) (II) और (IV)

(v) 'पीतांबर' का सही युग्म है—
(a) पीले हैं अंबर जिसके — बहुव्रीहि समास
(b) पीला है जो अंबर — बहुव्रीहि समास
(c) पीला अंबर — अव्ययीभाव समास
(d) पीले हैं अंबर जिसके — कर्मधारय समास

6. निर्देशानुसार 'मुहावरे' पर आधारित निम्नलिखित छह बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 1 × 4 = 4

(i) मुहावरे और अर्थ के उचित मेल वाले विकल्प का चयन कीजिए—
(a) कँपकँपी छूटना — डर से शरीर काँपना
(b) कलेजा ठंडा होना — मृत्यु होना
(c) किताबी कीड़ा होना — जो कीड़े पुस्तकों में लगें
(d) एक ही राग अलापना — अच्छा गायक

(ii) 'रहस्य प्रकट होना' अर्थ के लिए उपयुक्त मुहावरा है—
(a) उगल देना (b) खाक छानना
(c) कूच करना (d) कलई खुलना

(iii) 'आस्तीन का साँप' मुहावरे का अर्थ है—
(a) चालाक व्यक्ति (b) बड़ा दुश्मन
(c) कपटी मित्र (d) अपना मत बदलने वाला

(iv) "माता-पिता और बड़ों के उपदेश बुरे लगते हैं लेकिन बाद में वही बातें प्रेरित करती हैं।" - रेखांकित अंश के लिए उपयुक्त मुहावरा होगा—
(a) नीचा दिखाना (b) ज़हर लगना
(c) पहाड़ लगना (d) हाथ लगना

(v) परीक्षा भवन पहुँच कर जब उसे अपना पेंसिल बॉक्स नहीं दिखा तो उसके ..... गए। रिक्त स्थान के लिए उपयुक्त मुहावरा होगा—
(a) सिट्टी-पिट्टी गुम होना (b) पैरों तले ज़मीन खिसकना
(c) हाथ-पाँव फूलना (d) चेहरे का रंग उड़ना

(vi) 'पता न चलना' अर्थ के लिए मुहावरा होगा—
(a) फरार होना (b) दबे पाँव आना
(c) टका-सा जवाब देना (d) सुराग न मिलना

7. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए— 1 × 5 = 5

क्षुधार्त रंतिदेव ने दिया करस्थ थाल भी,
तथा दधीचि ने दिया परार्थ अस्थिजाल भी।
उशीनर क्षितीश ने स्वमांस दान भी किया,
सहर्ष वीर कर्ण ने शरीर चर्म भी दिया।
अनित्य देह के लिए अनादि जीव क्या डरे?
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे॥

(i) रंतिदेव कौन थे?
(a) वीर राजा **(b)** परम दानी राजा
(c) बुद्धिमान-शिक्षित राजा **(d)** कुशल समझदार राजा

(ii) स्तंभ 'अ' और स्तंभ 'ब' को सुमेलित करके सही विकल्प चुनिए—

स्तंभ 'अ'	स्तंभ 'ब'
I. उशीनर	1. अपने शरीर की चमड़ी भी दान में दी
II. दधीचि	2. अपना माँस देकर कबूतर के प्राण बचाए
III. कर्ण	3. अस्थियाँ देकर देवताओं की सहायता की

विकल्प—
(a) I. 2 II. 3 III. 1
(b) I. 1 II. 2 III. 3
(c) I. 2 II. 1 III. 3
(d) I. 1 II. 3 III. 2

(iii) कवि ने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से क्या संदेश दिया है?
(a) हमें जीवन की परवाह न करके परोपकार करना चाहिए।
(b) हरेक की पीड़ा को समझना चाहिए।
(c) शरीर नाशवान है अत: जीव को डरना नहीं चाहिए।
(d) अपनी भूख की परवाह बिलकुल नहीं करनी चाहिए।

(iv) काव्यांश में प्रयुक्त 'अनादि' शब्द का क्या अर्थ है?
(a) जिसका न आदि हो न अंत
(b) जिसका आदि या आरंभ न हो
(c) जो सृष्टि पर सबसे पहले जन्मा हो
(d) जो सदा बना चला आ रहा हो

(v) दधीचि ने दान में क्या दिया?
(a) कवच-कुंडल **(b)** हड्डियाँ
(c) धन **(d)** माँस

8. काव्य खण्ड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए— 1 × 2 = 2

(i) 'सब अँधियारा मिटि गया' - कबीर के 'दोहे' की इस पंक्ति में अँधियारा किसका प्रतीक है?
(a) निराशा **(b)** अहंकार
(c) अज्ञान **(d)** कालिमा

(ii) 'गिरि का गौरव गाकर झर-झर' पंक्ति में झरने के 'झर-झर' स्वर में कवि ने क्या कल्पना की है?
'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता के आधार पर लिखिए—
(a) बादलों की गड़गड़ाहट की
(b) झरनों की कल-कल करती मधुर ध्वनि की
(c) पक्षियों के कलरव की जुगल-बंदी की
(d) पर्वत के गौरव गान की

9. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए— 1 × 5 = 5

अब भाई साहब बहुत कुछ नरम पड़ गए थे। कई बार मुझे डाँटने का अवसर पाकर भी उन्होंने धीरज से काम लिया। शायद अब वह खुद समझने लगे थे कि मुझे डाँटने का अधिकार उन्हें नहीं रहा, या रहा भी, तो बहुत कम। मेरी स्वच्छंदता भी बढ़ी। मैं उनकी सहिष्णुता का अनुचित लाभ उठाने लगा। मुझे कुछ ऐसी धारणा हुई कि मैं पास ही हो जाऊँगा, पढ़ें या न पढ़ूँ, मेरी तकदीर बलवान है, इसलिए भाई साहब के डर से जो थोड़ा-बहुत पढ़ लिया करता था, वह भी बंद हुआ। मुझे कनकौए उड़ाने का नया शौक पैदा हो गया था और अब सारा समय पतंगबाज़ी की ही भेंट होता था, फिर भी मैं भाई साहब का अदब करता था और उनकी नज़र बचाकर कनकौए उड़ाता था। मांझा देना, कन्ने बाँधना, पतंग टूर्नामेंट की तैयारियाँ आदि समस्याएँ सब गुम रूप से हल की जाती थीं। मैं भाई साहब को यह संदेह न करने देना चाहता था कि उनका सम्मान और लिहाज़ मेरी नज़रों में कम हो गया है।

(i) बड़े भाई साहब अब छोटे भाई को प्राय: नहीं डाँटते, क्यों?
(a) छोटे भाई की घर छोड़ने की धमकी के भय से चुप रहने लगे।
(b) अब उन दोनों में एक ही कक्षा का अंतर रह गया था।
(c) छोटा भाई खेलकर भी अव्वल आता जा रहा था अत: अब वे ढीले पड़ने लगे थे।
(d) छोटा भाई बड़े भाई साहब के व्यवहार पर उन्हें आड़े हाथों लेने लगा था।

(ii) निम्नलिखित कथन तथा कारण को पढ़कर दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए—
कथन: कथानायक बड़े भाई साहब की सहिष्णुता का अनुचित लाभ उठाने लगा।
कारण: कक्षा में अव्वल आने के कारण उनके व्यवहार में अहंकार की भावना आ गई थी।
विकल्प—
(a) कथन और कारण दोनों गलत हैं।
(b) कथन सही है, लेकिन कारण उसकी गलत व्याख्या है।
(c) कथन गलत है, लेकिन कारण सही है।
(d) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(iii) 'मैं पास ही हो जाऊँगा, पढ़ूँ या न पढ़ूँ, मेरी तकदीर बलवान है' इस कथन से कथानायक के विषय में पता चलता है कि वह है—
(a) दृढ़विश्वासी **(b)** भाग्यवादी
(c) वाचाल **(d)** अहंकारी

(iv) छोटा भाई बड़े भाई साहब से छिपकर पतंगबाज़ी क्यों करता था?
(a) छोटे भाई के मन में बड़े भाई के लिए आदर था।
(b) छोटे भाई को पतंगबाज़ी का नया-नया शौक चढ़ा था।
(c) छोटे भाई को लगा कि शायद भाई साहब को पसंद न आए।
(d) पढ़े-लिखे समझदार लोग पतंगबाज़ी नहीं करते थे।

(v) कथानायक का सारा समय पतंगबाज़ी की भेंट क्यों चढ़ने लगा था?
(a) पतंगबाज़ी का नया-नया शौक लगने के कारण
(b) विद्यालय में आयोजित पतंग टूर्नामेंट के कारण

(c) बड़े भाई द्वारा डाँट फटकार न लगाने के कारण
(d) विद्यालय में हुए ग्रीष्मावकाश के कारण

10. गद्य खण्ड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के लिए उचित विकल्प चुनकर लिखिए— 1 × 2 = 2

(i) तताँरा-वामीरो के त्याग से समाज की सोच में क्या परिवर्तन आया?
(a) सबने तताँरा-वामीरो के प्रेम को स्वीकार कर लिया।
(b) सभी तताँरा-वामीरो के विवाह के लिए तैयार हो गए।
(c) अब दूसरे गाँवों में भी पारस्परिक वैवाहिक सम्बन्ध होने लगे।
(d) तताँरा-वामीरो को अपने-अपने गाँवों से निष्कासित कर दिया।

(ii) वज़ीर अली अफ़गानी हमले की प्रतीक्षा क्यों कर रहा था? अनुपयुक्त विकल्प छाँटकर लिखिए—
(a) अंग्रेज़ों को चारों तरफ़ से घेरने के लिए
(b) सआदत अली को जान से मारने के लिए
(c) अवध से सआदत अली को हटा अपना तख्त पाने के लिए
(d) अंग्रेज़ों को हिन्दुस्तान से बाहर निकालने के लिए

खण्ड-'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

11. गद्य-खण्ड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए— 3 × 2 = 6

(क) शेख अयाज़ के पिता ने अपनी बाज़ू पर काले च्योंटे को रेंगता देख क्या किया? इससे उनकी कौन-सी विशेषताएँ उभर कर आती हैं? 'अब कहाँ दूसरे के दु:ख से दु:खी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए ।

(ख) 'झेन परंपरा की यह बड़ी देन मिली है जापानियों को।' इस कथन में झेन परंपरा की किस बड़ी देन की बात कही गई है? स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के आधार पर बताइए कि 'ओपन लड़ाई' किसे कहा गया है और यह अपूर्व थी, कैसे?

12. काव्य-खण्ड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए— 3 × 2 = 6

(क) मीरा अपने आराध्य कृष्ण से क्या विनती करती हैं और उन्हें उनके कर्तव्य का स्मरण करवाने के लिए क्या करती हैं?

(ख) विरासत में मिली वस्तुओं की सँभाल ज़रूरी है, क्यों? 'तोप' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'आज धरती बनी है दुलहन साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो।'
इन पंक्तियों के संदर्भ में सैनिक की भावनाओं को स्पष्ट कीजिए।

13. पूरक पाठय-पुस्तक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए— 3 × 2 = 6

(क) 'मैत्री धर्म, जाति, रंग-भेद, प्रतिष्ठा आदि से ऊपर शुद्ध प्रेम और भावनाओं का प्रतिबिंब है।' 'टोपी शुक्ला' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'सपनों के से दिन' पाठ के लेखक और उसके साथी किस प्रकार गर्मियों की छुट्टियाँ बिताया करते? आप गर्मी की छुट्टियों में क्या करते हैं, लिखिए।

(ग) आपके पड़ोसी काका की स्थिति हरिहर काका से मिलती-जुलती है। आप उन्हें कैसे समझाएँगे और मदद करेंगे?

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 5

(क) खेल बिना पाठ्यक्रम है अधूरा
- खेलों का महत्त्व
- पाठ्यक्रम का अभिन्न अंग
- दोनों में संतुलन

(ख) जब तक पहाड़-नदियाँ हैं तब तक जीवन है
- प्रकृति से ही साँस है
- प्रकृति से मैत्री
- सतत् विकास पर बल

(ग) बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ
- क्यों पड़ी ज़रूरत
- बेटियाँ समाज का अभिन्न अंग
- महिलाओं के बढ़ते कदम

15. (क) आपके क्षेत्र में स्थित स्टेडियम के स्थापना दिवस की वर्षगाँठ के अवसर पर दिव्यांग बच्चों द्वारा भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया जाएगा। इस कार्यक्रम के सीधे प्रसारण की प्रार्थना करते हुए दूरदर्शन निदेशक को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए । **5**

अथवा

(ख) अपने नगर की ऐतिहासिक इमारतों की दयनीय स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए, उनके उचित रख-रखाव के लिए अध्यक्ष, पुरातत्त्व विभाग को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखकर आग्रह कीजिए। **5**

16. (क) विद्यालय के सांस्कृतिक कार्यक्रम के सचिव की ओर से बाल कलाकारों द्वारा नाट्य प्रस्तुति की सूचना लगभग 60 शब्दों में लिखिए । **4**

अथवा

(ख) आपके विद्यालय में क्षेत्रीय पुलिस द्वारा स्वरक्षा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसकी जानकारी छात्रों तक पहुँचाने के लिए एक सूचना लगभग 60 शब्दों में लिखिए। **4**

17. (क) आपके क्षेत्र में एक नया विद्यालय खुला है जिसमें आगामी सत्र में प्रवेश लेने वाले स्थानीय बच्चों को दाखिले में विशेष छूट दी जाएगी। विद्यालय के प्रचार-प्रसार के लिए लगभग 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। **3**

अथवा

(ख) कोई कंपनी जैविक फल-सब्जी बाज़ार में लाना चाहती है, उसके प्रचार-प्रसार के लिए एक विज्ञापन लगभग 40 शब्दों में तैयार कीजिए । **3**

18. (क) "जब मानव ने स्वयं को पक्षियों की भाँति छोटा करने की शक्ति हासिल की और डिब्बेनुमा घरों में पेड़ पर रहने लगा। तब ....."
इस कथा को लगभग 100 शब्दों में पूरा कीजिए । **5**

अथवा

(ख) आपने ऑनलाइन कुछ पुस्तकें मँगवाई थीं लेकिन आपकी पुस्तकें आपके ऑर्डर के अनुरूप नहीं आई हैं। इसकी शिकायत करते हुए प्रबंधक महोदय को लगभग 100 शब्दों में एक ई-मेल लिखिए। **5**

नोट: निम्नलिखित प्रश्नों के अतिरिक्त अन्य प्रश्न Delhi Set-1 में हैं।

खण्ड–'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न)

3. निर्देशानुसार 'पदबंध' पर आधारित निम्नलिखित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए— $1 \times 4 = 4$

(i) 'हरिहर अपने हिस्से की ज़मीन ठाकुरजी के नाम लिख दें।' – रेखांकित का पदबंध-भेद है—
(a) संज्ञा पदबंध (b) सर्वनाम पदबंध
(c) विशेषण पदबंध (d) क्रिया-विशेषण पदबंध

(ii) 'लोग प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से दो वर्गों में बँटने लगे थे।' – रेखांकित का पदबंध है—
(a) संज्ञा पदबंध (b) क्रिया पदबंध
(c) विशेषण पदबंध (d) क्रिया-विशेषण पदबंध

(iii) महंत जी लड़ाकू, चालाक और दबंग प्रकृति के आदमी हैं। – रेखांकित का पदबंध-भेद है—
(a) संज्ञा पदबंध (b) सर्वनाम पदबंध
(c) क्रिया पदबंध (d) विशेषण पदबंध

(iv) 'उनके जाल में फँसी चिड़िया पकड़ से बाहर हो गई थी।' – रेखांकित का पदबंध-भेद है—
(a) संज्ञा पदबंध (b) सर्वनाम पदबंध
(c) विशेषण पदबंध (d) क्रिया पदबंध

(v) निम्नलिखित में क्रिया-विशेषण पदबंध का उदाहरण छाँटकर लिखिए—
(a) अपनी योजना को कार्य रूप में परिणत करने के लिए वह अब तो जी-जान से जुट गए।
(b) अपनी योजना को कार्य रूप में परिणत करने के लिए वह अब तो जी-जान से जुट गए।
(c) अपनी योजना को कार्य रूप में परिणत करने के लिए वह अब तो जी-जान से जुट गए।
(d) अपनी योजना को कार्य रूप में परिणत करने के लिए वह अब तो जी-जान से जुट गए।

4. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित निम्नलिखित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए— $1 \times 4 = 4$

(i) निम्नलिखित में से उपयुक्त सरल वाक्य छाँटकर लिखिए—
(a) गाँव का वातावरण तनावपूर्ण हो गया था और लोग कुछ घटित होने की प्रतीक्षा करने लगे थे।
(b) उनके भाई निवेदन करने लगे कि अपनी ज़मीन वे उन्हें लिख दें।
(c) इस विषय पर हरिहर काका ने मुझसे काफ़ी देर तक बात की।
(d) जहाँ कहीं एकांत पाते, कह उठते-विलंब न करो हरिहर।

(ii) 'जब तुम मरोगे तो तुम्हारी आत्मा को ले जाने के लिए स्वर्ग से विमान आएगा।' रचना के आधार पर वाक्य भेद है—
(a) सरल वाक्य (b) संयुक्त वाक्य
(c) मिश्र वाक्य (d) सामान्य वाक्य

(iii) 'जिन्होंने ज़िंदगी में अपनी ज़ायदाद दूसरों को लिख दी बाद में उनका जीवन नरक हो गया।' – रचना के आधार पर वाक्य भेद है—
(a) सरल वाक्य (b) मिश्र वाक्य
(c) संयुक्त वाक्य (d) सामान्य वाक्य

(iv) 'यह ठाकुरबारी इस इलाके की बड़ी ठाकुरबारी नहीं है बल्कि पूरे राज्य में इसका मुकाबला नहीं होगा।' – रचना के आधार पर वाक्य भेद है—
(a) सरल वाक्य (b) मिश्र वाक्य
(c) सामान्य वाक्य (d) संयुक्त वाक्य

(v) स्तंभ 'अ' और स्तंभ 'ब' को सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए—

स्तंभ 'अ'	स्तंभ 'ब'
I. महंत जी भी हरिहर काका की टोह में रहते।	1. मिश्र वाक्य
II. इस बदलाव को उन्होंने समझ लिया और जीते-जी किसी को ज़मीन न देने का निश्चय किया।	2. सरल वाक्य
III. हम इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि जीते-जी किसी और को स्वामी नहीं बनाएँगे।	3. संयुक्त वाक्य

(a) I. 1 II. 2 III. 3
(b) I. 2 II. 1 III. 3
(c) I. 3 II. 2 III. 1
(d) I. 2 II. 3 III. 1

खण्ड–'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

13. गद्य-खण्ड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए— $3 \times 2 = 6$

(क) 'अब कहाँ दूसरे के दु:ख में दु:खी होने वाले' पाठ के माध्यम से लेखक ने क्या प्रतिपादित किया है?

(ख) 'तीसरी कसम' एक कलात्मक फ़िल्म थी।' – इस कथन को 'तीसरी कसम के शिल्पकार शैलेंद्र' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'प्रेम रूढ़ियों का बंधन नहीं मानता' 'तताँरा-वामीरो कथा' के आधार पर सिद्ध कीजिए।

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 5

(क) बचाना है दुनिया को भूमंडलीय ऊष्मीकरण (ग्लोबल वार्मिंग) से
- स्वच्छ पर्यावरण के लिए ज़रूरी
- जागरूकता है ज़रूरी
- समाधान

(ख) भारत की सांस्कृतिक एकता
- भिन्नता में एकता
- सांस्कृतिक विरासत
- भारतीय संस्कृति

(ग) अंतर्राष्ट्रीय फलक पर चमकता सितारा - भारत हमारा
- विकास की ओर बढ़ते कदम
- जीवन-मूल्यों की पहचान
- भारतीय क्षमता

15. (क) आप शुचि/शौर्य हैं। आपके मोहल्ले में जल की आपूर्ति बाधित है। जल की सुचारु आपूर्ति के लिए जल बोर्ड निगम अध्यक्ष को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखकर सुधार के लिए आग्रह कीजिए। 5

अथवा

(ख) आप भावुक/अनोखी हैं। आपका ज़िला स्तरीय क्रिकेट टीम के कैप्टन हेतु चयन हुआ है। अभ्यास और मैच हेतु आपको एक सप्ताह के अवकाश की आवश्यकता है। निवेदन करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य को अवकाश के लिए लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए। 5

Delhi Set-3 **4/1/3**

नोट: निम्नलिखित प्रश्नों के अतिरिक्त अन्य प्रश्न Delhi Set-1 में हैं।

खण्ड-'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न)

3. निर्देशानुसार 'पदबंध' पर आधारित निम्नलिखित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए— $1 \times 4 = 4$

(i) 'इतने बड़े सिर में नारियल-की-सी आँखों वाला चेहरा अजीब लगता है।' रेखांकित का पदबंध-भेद है—
(a) संज्ञा पदबंध (b) विशेषण पदबंध
(c) सर्वनाम पदबंध (d) क्रिया पदबंध

(ii) 'एक कमरे के बाहर मज़बूत और बड़ा-सा ताला लटक रहा था।' - रेखांकित का पदबंध-भेद है—
(a) संज्ञा पदबंध (b) सर्वनाम पदबंध
(c) क्रिया पदबंध (d) विशेषण पदबंध

(iii) 'शायद पुलिस को उन्होंने आते हुए देख लिया था।' - रेखांकित का पदबंध-भेद है—
(a) संज्ञा पदबंध (b) सर्वनाम पदबंध
(c) क्रिया पदबंध (d) विशेषण पदबंध

(iv) 'ठाकुरबारी के एक वयोवृद्ध साधु ने फाटक खोल दिया।' - रेखांकित का पदबंध-भेद है—
(a) संज्ञा पदबंध (b) सर्वनाम पदबंध
(c) विशेषण पदबंध (d) क्रिया-विशेषण पदबंध

(v) निम्नलिखित में से क्रिया-विशेषण पदबंध का उदाहरण छाँटकर लिखिए—
(a) एक वृद्ध साधु ने डरते हुए धीरे-से फाटक खोल दिया।
(b) एक वृद्ध साधु ने डरते हुए धीरे-से फाटक खोल दिया।
(c) एक वृद्ध साधु ने डरते हुए धीरे-से फाटक खोल दिया।
(d) एक वृद्ध साधु ने डरते हुए धीरे से फाटक खोल दिया।

4. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित निम्नलिखित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। $1 \times 4 = 4$

(i) निम्नलिखित में से उपयुक्त सरल वाक्य छाँटकर लिखिए—
(a) हरिहर काका लुढ़कते हुए दरवाज़े तक आए और पैरों से दरवाज़े पर धक्का लगाया।
(b) काका को बंधनमुक्त किया गया, मुँह से कपड़े निकाले गए।
(c) हरिहर काका ने पर्दाफाश किया कि वे साधु नहीं, डाकू, हत्यारे और कसाई हैं।
(d) हरिहर काका ने देर तक बयान दर्ज़ कराए।

(ii) 'उन्हें लग रहा था कि अब भाई को वे आसानी से घर ले जाएँगे।' - रचना के आधार पर यह वाक्य भेद है—
(a) सरल वाक्य (b) संयुक्त वाक्य
(c) मिश्र वाक्य (d) सामान्य वाक्य

(iii) निम्नलिखित में से मिश्र वाक्य छाँटकर लिखिए—
(a) सभी बंद कमरों को खोलकर देखा गया।
(b) ठाकुरबारी के जो कमरे खुले थे उनकी तलाशी पहले ली गई।
(c) वृद्ध साधु बोल नहीं रहा था इसलिए पुलिस को थोड़ी परेशानी हुई।
(d) ताला तोड़कर कमरा खोला गया।

(iv) 'सुबह होने में देर थी इसलिए पुलिस इंचार्ज साधुओं को आत्मसमर्पण की आवाज़ लगा रहे थे।' - यह रचना के आधार पर वाक्य भेद है—
(a) सरल वाक्य (b) मिश्र वाक्य
(c) संयुक्त वाक्य (d) सामान्य वाक्य

(v) स्तंभ 'अ' और स्तंभ (ब) को सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनिए—

स्तंभ 'अ'	स्तंभ 'ब'
I. उन्होंने हरिहर काका के हाथ-पाँव बाँध दिए थे।	1. सयुक्त वाक्य
II. क्योंकि उनकी सुरक्षा के लिए आवश्यक था, इसलिए उन्हें घर के अंदर रखा गया था।	2. सरल वाक्य
III. सुरक्षा की वजह उनकी ज़ायदाद है अन्यथा वे उनको पूछते तक नहीं।	3. मिश्र वाक्य

विकल्प—

(a)	I. 2	II. 3	III. 1
(b)	I. 1	II. 2	III. 3
(c)	I. 2	II. 1	III. 3
(d)	I. 3	II. 2	III. 1

खण्ड-'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

13. गद्य-खण्ड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए— $3 \times 2 = 6$

(क) 'तीसरी कसम' फ़िल्म को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा?

(ख) रूढ़ियाँ जब बंधन बन बोझ बनने लगें तब उनका टूटना ही अच्छा है, क्यों? 'तताँरा-वामीरो कथा' के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'कलकत्ता के नाम पर कलंक था कि यहाँ काम नहीं हो रहा है वह आज बहुत अंश में घुल गया।' – 'डायरी का पन्ना' पाठ से उद्धृत इस कथन में किस काम और कलकत्ता पर लगे कलंक की बात हो रही है और वह कैसे धुल गया? स्पष्ट कीजिए।

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 5

(क) "प्रकृति पर अगर गाज गिरती रहेगी
समझ लो मनुष्यता सिसकती रहेगी"

- मानव प्रकृति का अभिन्न अंग
- संतुलन बनाना
- तापमान वृद्धि में रोक

(ख) मैं और मेरा देश

- एक-दूसरे के पूरक
- देश में ही व्यक्तित्व का विकास
- देश के प्रति कर्तव्य

(ग) व्यायाम की ओर बढ़ते कदम

- व्यायाम की आवश्यकता
- योग और व्यायाम की ओर बढ़ता रुझान
- व्यायाम के लाभ

15. (क) आप निखिल/निखिला हैं। आपके क्षेत्र में लगे वृक्ष जल के अभाव में सूख रहे हैं। वृक्षों के उचित रख-रखाव का सुझाव देते हुए वन विभाग के निदेशक को आग्रह करते हुए लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए। 5

अथवा

(ख) आप ओज/ओजस्विता हैं। आपके प्रमाण-पत्रों की फाइल स्थानीय बस में छूट गई थी जिसे बस कंडक्टर ने आपको सुरक्षित लौटाया। उसके लिए अपने प्रदेश के परिवहन प्रबंधक को कंडक्टर के सद्व्यवहार की प्रशंसा करते हुए लगभग 100 शब्दों में एक प्रशस्ति-पत्र लिखिए। 5

Outside Delhi Set-1 **4/2/1**

खण्ड-'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इसके आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए— $1 \times 5 = 5$

आज पूरी दुनिया में व्यापक जल संकट है। एक तरफ़ हिमनद (ग्लेशियर) का पिघलना और दूसरी तरफ़ बाढ़-सुखाड़ का बढ़ना आम होता जा रहा है। आमतौर पर नदियों में पानी घट रहा है । हिमनद जब पिघलता है, तो ऊपर नदियों के उद्गम के पास ही लोग उसका उपयोग कर लेते हैं। हिमनदों के पिघलने के कारण हमारे समुद्रों पर भी उसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है। नदियों में जो सतत् प्रवाह है, उसमें भी धीरे-धीरे संकट बढ़ता जा रहा है । जल-स्रोत संकट में आते जा रहे हैं। यह जो जल-स्रोत का संकट है, उससे बचने के उपाय भी बहुत साफ़ हैं। जहाँ हिमनद पिघल रहे हैं, उनके आस-पास जंगलों का होना ज़रूरी है। जंगल नहीं होते हैं, तो सूरज से आने वाली लाल गरमी वहाँ का तापमान बढ़ा देती है और उस तापमान के चलते हिमनद और तेज़ी से पिघलकर नीचे आने लगते हैं। जब वहाँ जंगल होते हैं, तो सूरज से आने वाली गरमी से धरती तपती नहीं है, उसे बुखार नहीं चढ़ता। हिमनदों के आस-पास के इलाकों में हरियाली बढ़ाना अब बहुत ज़रूरी है । इन इलाकों में होने वाले कटाव को भी रोकना चाहिए।

आज नदियों और तालाबों की स्थिति भी अच्छी नहीं है। अधिकतर नदियाँ सूख गई हैं और जो बची हैं, वे मैला ढोनेवाली मालगाड़ी बन गई हैं । जिस देश में नदियाँ सूखती हैं, वहाँ की सभ्यता भी सूखने लगती है। नदियों का हमारी सभ्यताओं और जीवन से गहरा रिश्ता है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश में लेखक की चिंता का विषय है—
(a) पिघलते हिमनद **(b)** घटते वन प्रदेश
(c) प्रदूषित होती नदियाँ **(d)** बढ़ता जल संकट

(ii) गद्यांश के आधार पर ग्लेशियरों के पिघलने का कारण है—
(a) धरती का बढ़ता तापमान **(b)** बढ़ती प्राकृतिक आपदाएँ
(c) नदियों का सूख जाना **(d)** जल स्रोत का बढ़ता संकट

(iii) 'उसे बुखार नहीं चढ़ता' से अभिप्राय है—
(a) उसकी सेहत खराब नहीं होती।
(b) मौसम का मिज़ाज नहीं बिगड़ता।
(c) उसका (धरती का) तापमान नहीं बढ़ता।
(d) वह हरी-भरी बनी रहती है ।

(iv) निम्नलिखित में नदियों और सभ्यता के बीच के रिश्ते के विषय में क्या असत्य है?
(a) दोनों एक-दूसरे पर आश्रित हैं।
(b) नदियों के किनारे ही सभ्यता का विकास हुआ है।
(c) नदियों के न रहने से सभ्यता का अंत निश्चित है।
(d) विश्व की प्राचीन सभ्यता नदियों के किनारे ही पनपी।

(v) 'दो तिहाई नदियाँ मैला ढोनेवाली मालगाड़ी बन गई हैं' पंक्ति का आशय है—
(a) अत्यधिक गर्मी के कारण सूख गई हैं।
(b) प्रदूषण के कारण काली पड़ गई हैं।
(c) ये नदियाँ शहरी कचरा ढो रही हैं।
(d) मालगाड़ी की तरह चल रही हैं।

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इसके आधार पर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए— $1 \times 5 = 5$

प्राय: ऐसा होता है, कोई भी वक्तव्य सुनने के बाद जब सुनने वालों से पूछें कि क्या बोला गया है, तो सौ लोगों के सौ जवाब मिलते हैं; जितने सुनने वाले, उतने ही अर्थ। इसलिए आपस में बड़े विवाद भी होते हैं। बुद्ध से एक बार उनके शिष्य ने पूछा, 'क्या हम वही सुन पाते हैं, जो आप बोलते हैं? जब मैं दूसरों से बात करता हूँ, तो पता चलता है कि उन्होंने कुछ और सुना, जबकि मैंने कुछ और।' बुद्ध ने कहा, "यह स्वाभाविक है। बोली तो एक ही बात जाती है, लेकिन सुनी उतनी जाती है जितने सुनने वाले हैं, क्योंकि तुम मन से सुनते हो, आत्मा से नहीं। कल रात मैंने अंतिम प्रवचन के बाद कहा कि-उठो; रात्रि का अंतिम कार्य करों। कल समागम में एक चोर और एक गृहस्थ भी आए थे। जब मैंने कहा कि अब रात्रि के अंतिम काम में संलग्न हो जाओ, तब तुम्हें ख्याल आया ध्यान का, चोर ने सोचा कि काफ़ी रात हो गई, चाँद ऊपर चढ़ गया है, अब चौर्यकर्म का वक्त हुआ। गृहस्थ ने सोचा, बहुत देर हो गई, पता नहीं, घर जाने के लिए कोई वाहन अब मिलेगा भी या नहीं? मैंने एक ही बात कही थी। गृहस्थ ने अपना अर्थ लिया और चोर ने अपना। फिर भिक्षुओं ने भी इसके अलग-अलग अर्थ ही लिए होंगे।

सुनना बहुत कठिन बात है, क्योंकि सुनने की कला वास्तव में कभी सिखाई नहीं जाती। बोलने की कला के तो बड़े प्रशिक्षण दिए जाते हैं। मगर यदि सुनने वाले सही न हों तो अर्थ का अनर्थ हो जाता है। सुनने के लिए आपका मन शांत और स्वीकार भाव में होना चाहिए।

(i) कहे गए वक्तव्य का, अलग-अलग लोगों द्वारा अलग-अलग जवाब क्यों मिलता है?
(a) प्रत्येक व्यक्ति द्वारा अपनी मन:स्थिति के अनुरूप अर्थ लगाने के कारण
(b) प्रत्येक व्यक्ति द्वारा अपनी योग्यता के अनुरूप अर्थ लगाने के कारण
(c) कही गई बात को ध्यान से न सुन पाने के कारण
(d) कही गई बात का महत्त्व न जानने के कारण

(ii) गद्यांश के आधार पर लोगों के बीच विवाद का कारण है—
(a) कही गई बात का अर्थ न समझ पाना।
(b) स्वयं को दूसरे से श्रेष्ठ सिद्ध समझना।
(c) अपनी ही बात को सही ठहराना।
(d) अपने सामने दूसरों को महत्त्व न देना।

(iii) शिष्य द्वारा बुद्ध से क्या पूछा गया ?
(a) संसार में लोगों के दु:खों का कारण
(b) लोगों के बीच आपसी विवाद का कारण
(c) दो व्यक्तियों के बीच भिन्नता का कारण
(d) कही गई एक ही बात के भिन्न अर्थ ग्रहण करने का कारण

(iv) गृहस्थ की चिंता का क्या कारण था?
(a) रात का काफ़ी समय बीत जाना।
(b) वाहन के न मिलने की आशंका।
(c) बुद्ध की बातों का अर्थ न समझ पाना।
(d) देर रात्रि में अकेले घर जाना।

(v) सुनने के लिए आवश्यकता है—
(a) वक्ता की बात में स्पष्टता की
(b) आसपास के वातावरण में शांति की
(c) सहज सरल शब्दों में बात कही जाने की
(d) मन के शांत और स्वीकार भाव में होने की

3. निर्देशानुसार 'पदबंध' पर आधारित निम्नलिखित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 1 × 4 = 4

(i) 'तब उनके भाई की पत्नी ने रूखा-सूखा खाना लाकर उनके सामने परोस दिया।' इस वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद है—
(a) संज्ञा पदबंध (b) विशेषण पदबंध
(c) क्रिया पदबंध (d) क्रिया-विशेषण पदबंध

(ii) 'गाँव के कुछ पेटू और चटोर किस्म के लोग प्रसाद पाने के लिए वहाँ जुट जाते।' - इस वाक्य में विशेषण पदबंध का उदाहरण है—
(a) 'पेटू और चटोरे' किस्म के लोग
(b) चटोर किस्म के लोग
(c) पेटू और चटोर किस्म के
(d) प्रसाद पाने के लिए

(iii) निम्नलिखित में से क्रिया-विशेषण पदबंध का उदाहरण है—
(a) रमेसर के भाइयों ने रमेसर की विधवा को बहला-फुसलाकर ज़मीन अपने नाम लिखवा ली।
(b) रमेसर के भाइयों ने रमेसर की विधवा को बहला-फुसलाकर ज़मीन अपने नाम लिखवा ली।
(c) रमेसर के भाइयों ने रमेसर की विधवा को बहला-फुसलाकर ज़मीन अपने नाम लिखवा ली।
(d) रमेसर के भाइयों ने रमेसर की विधवा को बहला-फुसलाकर ज़मीन अपने नाम लिखवा ली।

(iv) 'गाँव के लोग उनके बारे में बहुत कुछ कहते-सुनते हैं।' - में रेखांकित पदबंध का भेद है—
(a) क्रिया पदबंध (b) सर्वनाम पदबंध
(c) संज्ञा पदबंध (d) विशेषण पदबंध

(v) 'इलाके के मशहूर डाकू बुटन सिंह से उन लोगों ने बातचीत पक्की कर ली है।' - इस वाक्य में संज्ञा पदबंध का उदाहरण छाँटकर लिखिए।
(a) बातचीत पक्की कर ली है।
(b) इलाके के मशहूर
(c) बुटन सिंह से उन लोगों ने
(d) इलाके के मशहूर डाकू बुटन सिंह

4. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित निम्नलिखित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 1 × 4 = 4

(i) निम्नलिखित में से उपयुक्त सरल वाक्य छाँटकर लिखिए—
(a) बूढ़ी नौकरानी सीता थी जो उसका दु:ख-दर्द समझती थी।
(b) मुन्नी बाबू के लिए कोट का नया कपड़ा आया।
(c) प्रश्न यह खड़ा हो गया कि फिर आखिर वह करे क्या?
(d) टोपी शर्माया और उसके काले रंग पर लाली दौड़ गई।

(ii) 'जब तमाम बच्चे खिलखिलाकर हँस पड़े तो वह बिलकुल मर गया।' - रचना के आधार पर इसका वाक्य भेद है -
(a) सरल वाक्य (b) मिश्र वाक्य
(c) संयुक्त वाक्य (d) साधारण वाक्य

(iii) स्तंभ-1 और स्तंभ-2 सुमेलित कीजिए और उचित विकल्प चुनकर लिखिए।

स्तंभ '1'	स्तंभ '2'
I. फ़ारसी की घंटी बजते ही हमारी छाती धक्-धक् करने लगती।	1. संयुक्त वाक्य
II. फ़ारसी की घंटी बजती और हमारी छाती धक्-धक् करने लगती।	2. मिश्र वाक्य
III. जैसे ही फ़ारसी की घंटी बजती वैसे ही हमारी छाती धक्-धक् करने लगती।	3. सरल वाक्य

(a) I. 2 II. 3 III. 1
(b) I. 3 II. 1 III. 2
(c) I. 1 II. 3 III. 2
(d) I. 3 II. 2 III. 1

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य है—
(a) बचपन की यादें मन को गुदगुदाने वाली होती हैं।
(b) हमारे हेडमास्टर शर्मा जी थे और वह एक लड़के को उसके घर पढ़ाया करते थे।
(c) बचपन की जो यादें होती हैं वह मन को गुदगुदाने वाली होती हैं।
(d) यादें बचपन की हैं इसलिए मन को गुदगुदाने वाली हैं।

(v) 'जब हम बहुत छोटे थे तो उनकी बोली कम समझ पाते।' इस वाक्य का संयुक्त वाक्य में रूपांतरित वाक्य होगा—

(a) उनकी बोली न समझ पाने का कारण हमारा छोटा होना था।
(b) क्योंकि हम बहुत छोटे थे इसलिए उनकी बोली कम समझ पाते थे।
(c) छोटे होने के कारण हम उनकी बोली कम समझ पाते थे।
(d) हम बहुत छोटे थे इसलिए उनकी बोली कम समझ पाते थे।

5. निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित निम्नलिखित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्पों को चुनकर लिखिए— $1 \times 4 = 4$

(i) 'शिवालय' समस्तपद कौन-से समास का उदाहरण है?
(a) अव्ययीभाव समास (b) कर्मधारय समास
(c) बहुव्रीहि समास (d) तत्पुरुष समास

(ii) 'देशनिर्वासित' इस समस्तपद का विग्रह होगा—
(a) देश से निर्वासित (b) देश हेतु निर्वासित
(c) देश पर निर्वासित (d) देश को निर्वासित

(iii) निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—

समस्तपद	समास
I. नरसिंह	1. तत्पुरुष
II. धूपदीप	2. अव्ययीभाव
III. दानवीर	3. कर्मधारय
VI. आजन्म	4. द्वंद्व

उपर्युक्त युग्मों को सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए—
(a) I. 2 II. 3 III. 1 IV. 4
(b) I. 4 II. 1 III. 3 IV. 2
(c) I. 3 II. 4 III. 1 IV. 2
(d) I. 1 II. 2 III. 4 IV. 3

(iv) 'मेघनाद' समस्तपद के लिए सही समास-विग्रह और समास के नाम का चयन कर लिखिए—
(a) मेघ रूपी नाद वाला-तत्पुरुष
(b) मेघ के समान नाद है जिसका-बहुव्रीहि
(c) मेघ के समान नाद है जो-अव्ययीभाव
(d) मेघ के समान नाद वाला-तत्पुरुष

(v) निम्नलिखित में द्विगु समास का उपयुक्त उदाहरण छाँटकर लिखिए—
(a) घी-शक्कर (b) नवनिधि
(c) पतझड़ (d) मृगलोचन

6. निर्देशानुसार 'मुहावरे' पर आधारित निम्नलिखित छह बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए— $1 \times 4 = 4$

(i) मुहावरे और अर्थ के उचित मेल वाले विकल्प का चयन कर लिखिए।
(a) मुठभेड़ होना - मार डालना
(b) सिर फिरना - चक्कर आना
(c) नामोनिशान मिटाना - सब कुछ नष्ट करना
(d) तीर मारना - निशाना लगाना

(ii) 'कठिन परिश्रम करना/कठिनाई का अनुभव होना' अर्थ के लिए उचित मुहावरा है—
(a) जिगर के टुकड़े-टुकड़े होना
(b) दाँतों पसीना आना
(c) दीन दुनिया से जाना
(d) हाथ-पाँव फूल जाना

(iii) 'लोहे के चने चबाना' - मुहावरे का अर्थ है -
(a) जानबूझकर मुसीबत मोल लेना
(b) बहुत तेज़ दौड़ना
(c) असंभव कार्य को संभव करना
(d) कठिन कार्य करना/संघर्ष करना

(iv) रेखांकित अंश के लिए कौन-सा मुहावरा प्रयुक्त करना उचित रहेगा? 'एक-एक अक्षर अच्छी तरह पढ़ने पर भी बड़े भाई साहब की डाँट-डपट खानी पड़ती थी।'
(a) ज़हर लगना (b) घुड़कियाँ खाना
(c) त्यौरियाँ चढ़ाना (d) आँख बचाना

(v) 'पुलिस चोर को ..... चाहती थी इसलिए जाल बिछाए बैठी थी।' - रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए उपयुक्त मुहावरे वाला विकल्प चुनकर लिखिए।
(a) रँगे हाथों पकड़ना (b) तार-तार होना
(c) आँखों में धूल झोंकना (d) जान बख़्शी करना

(vi) "अत्यंत लज्जाजनक स्थिति में होना" अर्थ के लिए उपयुक्त मुहावरा है—
(a) सिर-आँखों पर बैठाना
(b) एक और एक ग्यारह होना
(c) पैसे-पैसे को मुहताज़ होना
(d) चुल्लू भर पानी में डूब मरना

7. निम्नलिखित पठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए— $1 \times 5 = 5$

कस्तूरी कुंडलि बसै, मृग ढूँढ़ै बन माँहि।
ऐसैं घटि घटि राँम है, दुनियाँ देखे नाँहिं॥
जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाँहि।
सब अँधियारा मिटि गया, जब दीपक देख्या माँहि॥

(i) 'कस्तूरी कुंडलि बसै ...' दोहे में किसका वर्णन किया गया है?
(a) कस्तूरी ढूँढ़ने वाले मृग का
(b) सांसारिकता में लीन मानव का
(c) अपनी ही विशेषता से अनजान मनुष्य का
(d) ईश्वर की सर्वव्यापकता का

(ii) 'जब मैं था तब हरि नहीं' पंक्ति में 'मैं' से अभिप्राय है—
(a) अहंकार की भावना (b) स्वार्थ की भावना
(c) सांसारिक माया-मोह (d) स्वयं कवि

(iii) 'जब मैं था तब हरि नहीं' दोहे के अनुसार हृदय में ईश्वर का निवास कब तक असंभव है?
(a) जब तक सच्चे हृदय से उसे याद न किया जाए।
(b) जब तक सांसारिक विषय-वासनाओं को न छोड़ा जाए।
(c) जब तक अहंकारपूर्ण व्यवहार का नाश न किया जाए।
(d) जब तक सच्चे हृदय से उसकी सेवा न की जाए।

(iv) 'जब दीपक देख्या माँहि' - पंक्ति में 'दीपक' प्रतीकार्थ है—
(a) प्रभु प्रेम के प्रकाश का (b) रोशनी के साधन का
(c) प्रकाश का (d) संपन्नता का

(v) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए—
कथन: ईश्वर सृष्टि के कण-कण में निवास करते हैं पर हम उन्हें देख नहीं पाते।
कारण: मनुष्य के पास दिव्य-दृष्टि नहीं है।

(a) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं।
(b) कथन गलत है, लेकिन कारण सही है।
(c) कथन सही है, लेकिन कारण उसकी गलत व्याख्या करता है।
(d) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

8. काव्य-खण्ड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए— 1 × 2 = 2

(i) 'मनुष्यता' कविता से उद्धृत - "तभी समर्थ भाव है कि तारता हुआ तरे"-पंक्ति का भाव है—
(a) सामर्थ्य के अनुसार दूसरों की रक्षा करनी चाहिए।
(b) मानव जीवन की सार्थकता सबको साथ लेकर चलने में है।
(c) अपनी ही उन्नति में संतुष्ट नहीं रहना चाहिए।
(d) सामर्थ्य के अनुसार तैरने वाले व्यक्ति की रक्षा करनी चाहिए।

(ii) 'कर चले हम फ़िदा' कविता में किसका हाथ तोड़ने की बात कही गई है?
(a) सीता का दामन छूने वाले पापियों की।
(b) धरती माता की पवित्रता नष्ट करने वालों की।
(c) सीता का अपहरण करने वाले रावण की।
(d) देश सेवा से पीछे हटने वाले कायरों की।

9. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए— 1 × 5 = 5

दुनिया कैसे वज़ूद में आई? पहले क्या थी? किस बिंदु से इसकी यात्रा शुरू हुई? इन प्रश्नों के उत्तर विज्ञान अपनी तरह से देता है, धार्मिक ग्रंथ अपनी-अपनी तरह से। संसार की रचना भले ही कैसे हुई हो लेकिन धरती किसी एक की नहीं है। पंछी, मानव, पशु, नदी, पर्वत, समंदर आदि की इसमें बराबर की हिस्सेदारी है। यह और बात है कि इस हिस्सेदारी में मानव जाति ने अपनी बुद्धि से बड़ी-बड़ी दीवारें खड़ी कर दी हैं। पहले पूरा संसार एक परिवार के समान था अब टुकड़ों में बँटकर एक-दूसरे से दूर हो चुका है। पहले बड़े-बड़े दालानों-आँगनों में सब मिल-जुलकर रहते थे, अब छोटे-छोटे डिब्बे जैसे घरों में जीवन सिमटने लगा है। बढ़ती हुई आबादियों ने समंदर को पीछे सरकाना शुरू कर दिया है, पेड़ों को रास्तों से हटाना शुरू कर दिया है, फैलते हुए प्रदूषण ने पंछियों को बस्तियों से भगाना शुरू कर दिया है। बारूदों की विनाशलीलाओं ने वातावरण को सताना शुरू कर दिया। अब गरमी में ज़्यादा गरमी, बेवक्त की बरसातें, जलजले, सैलाब, तूफान और नित नए रोग, मानव और प्रकृति के इसी असंतुलन के परिणाम हैं।

(i) गद्यांश में आई पंक्ति-'पहले पूरा संसार एक परिवार के समान था अब टुकड़ों में बँटकर एक-दूसरे से दूर हो चुका है।' का भाव है—
(a) संसार देश और प्रांत में बँट चुका है।
(b) संयुक्त परिवार एकल परिवारों में बँट गए हैं।
(c) वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना समाप्त हो गई है।
(d) एक देश से दूसरे देश को जाना कठिन हो गया है।

(ii) गद्यांश में प्रयुक्त 'छोटे-छोटे डिब्बे जैसे घर' - संकेत करते हैं—
(a) फ़्लैट संस्कृति की ओर
(b) छोटे-छोटे घरों की ओर
(c) एक कमरे के घरों की ओर
(d) बहुमंज़िला इमारतों की ओर

(iii) बढ़ती हुई आबादी को बसाने के लिए क्या नहीं किया गया?
(a) समंदर की ज़मीन को हथियाना शुरू कर दिया गया।
(b) वन प्रदेश का सफ़ाया करना शुरू कर दिया गया।
(c) पशु-पक्षियों को घर से बेघर कर दिया गया।
(d) खनिज पदार्थों का मनमाना दोहन किया गया।

(iv) गद्यांश के अनुसार बढ़ती प्राकृतिक आपदाएँ परिणाम हैं—
(a) दिनोंदिन बढ़ने वाले प्रदूषण का
(b) मनुष्य के बढ़ते लालच का
(c) मानव और प्रकृति के बीच असंतुलन का
(d) पर्वतीय प्रदेशों में होने वाले कटाव का

(v) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए—
कथन: फैलते हुए प्रदूषण ने पंछियों को बस्तियों से भगाना शुरू कर दिया है।
कारण: मानव ने अपनी बुद्धि से बड़ी-बड़ी दीवारें खड़ी कर दी हैं।
(a) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं।
(b) कथन गलत है, लेकिन कारण सही है।
(c) कथन सही है, लेकिन कारण उसकी गलत व्याख्या करता है।
(d) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

10. गद्य-खण्ड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए— 1 × 2 = 2

(i) 'तीसरी कसम के शिल्पकार शैलेंद्र' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए कि फ़िल्मों में त्रासद स्थितियों की भी प्रशंसा (ग्लोरीफाई) क्यों की जाती है ?
(a) अधिक-से-अधिक धन कमाने हेतु
(b) दर्शकों का मनोरंजन करने हेतु
(c) अधिकाधिक लोकप्रियता पाने हेतु
(d) दर्शकों का भावात्मक शोषण करने हेतु

(ii) 'बड़े भाई साहब' पाठ के कथानायक के आँसू बहाने का कारण है—
(a) आगे की कक्षा की कठिन पढ़ाई का डर
(b) बड़े भाई साहब की डाँट-फटकार
(c) अम्मा-बाबा की याद आना
(d) अध्यापकों की डाँट फटकार

खण्ड-'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

11. गद्य-खण्ड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए— 3 × 2 = 6

(क) 'बड़े भाई साहब' पाठ से उद्धृत पंक्ति-'तालीम' जैसे महत्त्व के मामले में ज़ल्दबाज़ी से काम लेना पसंद नहीं करते थे।' - का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'तीसरी कसम फ़िल्म नहीं, सैल्यूलाइड पर लिखी कविता थी।' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए।

(ग) 'कारतूस' एकांकी के आधार पर लिखिए कि जिस वज़ीर अली को पकड़ने के लिए कर्नल जंगल में खेमा डाले हुए था, एकांकी के अंत में वह उसकी प्रशंसा क्यों करता है?

12. काव्य-खण्ड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए— 3 × 2 = 6

(क) 'कर चले हम फ़िदा' कविता से उद्धृत – 'साँस थमती गई, नब्ज़ जमती गई' पंक्ति के संदर्भ में सैनिक जीवन की कठिनाइयों का उल्लेख कीजिए।

(ख) 'तोप' कविता के आधार पर लिखिए कि पूर्वजों से मिली धरोहर का क्या महत्त्व है? इन्हें सँभालकर क्यों रखा जाता है?

(ग) मीरा के 'पद' के आधार पर लिखिए कि द्रौपदी, प्रहलाद आदि का उल्लेख कर मीरा भगवान को उनका कौन-सा रूप स्मरण करवा रही है और क्यों?

13. पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए— 3 × 2 = 6

(क) हरिहर काका की ज़मीन हड़पने के लिए महंत द्वारा धर्म, माया-मोह का सहारा लिया गया, अपहरण करवाया गया। उनका ऐसा करना आपकी दृष्टि में कितना उचित है? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

(ख) 'उम्र का फासला आत्मीय सम्बन्धों में बाधा नहीं बनता।' 'हरिहर काका' और 'टोपी शुक्ला' कहानी के आधार पर सिद्ध कीजिए।

(ग) 'सपनों के से दिन' पाठ के आधार पर लिखिए कि बच्चों का खेलकूद में अधिक रुचि लेना अभिभावकों को अप्रिय क्यों लगता है? पढ़ाई के साथ खेलों का छात्र जीवन में क्या महत्त्व है? इससे किन जीवन-मूल्यों की प्रेरणा मिलती है?

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 5

(क) ध्वनि प्रदूषण
संकेत बिंदु— ● अर्थ, ● इसके कारण, ● हानि, ● समाधान।

(ख) मेरा प्रिय खिलाड़ी
संकेत बिंदु— ● नाम, ● प्रिय लगने के गुण/कारण, ● उनके जैसा बनने की इच्छा।

(ग) परहित सरिस धर्म नहि भाई
संकेत बिंदु— ● अर्थ, ● जीवन की सार्थकता, ● आनंद का स्त्रोत।

15. (क) अपने आपको राजकीय माध्यमिक विद्यालय के छात्र कल्याण परिषद् का अध्यक्ष रवि/रवीना मानते हुए अपने ही विद्यालय के सेवानिवृत्त प्राचार्य को विद्यालय में आयोजित खेल दिवस के कार्यक्रम में अध्यक्ष पद हेतु आमंत्रित करते हुए लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए। 5

अथवा

(ख) आपका नाम दीपक/दीपिका है। आपकी दसवीं कक्षा की अंक-सूची कही खो गई है। अंक-सूची की द्वितीय प्रति मँगवाने हेतु क. ख. ग. बोर्ड को लगभग 100 शब्दों में प्रार्थना-पत्र लिखिए। 5

16. (क) आपके विद्यालय में आपदा प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। छात्र कल्याण परिषद् के सचिव होने के नाते कक्षा 9 से 12 तक सभी छात्रों को इस कार्यशाला की विस्तृत जानकारी देते हुए लगभग 60 शब्दों में एक सूचना-पत्र तैयार कीजिए। 4

अथवा

(ख) ग्रीष्मावकाश के दौरान आपके विद्यालय में छात्राओं के लिए आत्मरक्षा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शारीरिक शिक्षा अध्यापक की ओर से कक्षा 6 से 12 तक सभी छात्राओं को इस शिविर की विस्तृत जानकारी देने हेतु लगभग 60 शब्दों में एक सूचना-पत्र तैयार कीजिए। 4

17. (क) अपने विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा निर्मित हस्तकला की वस्तुओं की प्रदर्शनी के प्रचार-प्रसार हेतु लगभग 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। 3

अथवा

(ख) किसी दैनिक समाचार-पत्र में प्रकाशित करने के लिए विज्ञापन का प्रारूप लगभग 40 शब्दों में तैयार कीजिए जिसमें आपके पिताजी द्वारा बेची जाने वाली कार की विस्तृत जानकारी दी गई हो। 3

18. (क) 'सबसे बड़ा खजाना' विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए। 5

अथवा

(ख) अपने नए मकान में गृह प्रवेश के उपलक्ष्य में आयोजित प्रीतिभोज में सम्मिलित होने के लिए अपने मित्र को ई-मेल द्वारा निमंत्रण भेजिए जिसमें सपरिवार पधारने का निवेदन किया गया हो। 5

Outside Delhi Set-2 **4/2/2**

नोट: निम्नलिखित प्रश्नों के अतिरिक्त अन्य प्रश्न Outside Delhi Set-1 में हैं।

खण्ड-'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न)

3. निर्देशानुसार 'पदबंध' पर आधारित निम्नलिखित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 1 × 4 = 4

(i) निम्नलिखित में से क्रिया-विशेषण पदबंध का उदाहरण है—
(a) महंतजी देश के कोने-कोने से साधुओं को बुलाएँगे।
(b) महंतजी देश के कोने-कोने से साधुओं को बुलाएँगे।
(c) महंतजी देश के कोने-कोने से साधुओं को बुलाएँगे।
(d) महंतजी देश के कोने-कोने से साधुओं को बुलाएँगे।

(ii) 'एक नौकर रख लिया है, वही उन्हें बनाता-खिलाता है।' रेखांकित पदबंध का भेद है—
(a) संज्ञा पदबंध **(b)** क्रिया पदबंध
(c) सर्वनाम पदबंध **(d)** क्रिया-विशेषण पदबंध

(iii) 'दूसरे वर्ग में गाँव के प्रगतिशील विचारों वाले लोग हैं।' इस वाक्य में विशेषण पदबंध का उदाहरण है—
(a) दूसरे वर्ग में **(b)** गाँव के प्रगतिशील
(c) प्रगतिशील विचारों वाले **(d)** विचारों वाले लोग हैं।

(iv) 'एक साफ़-सुथरे कमरे में पलंग पर बिस्तरा लगाकर उनके आराम का प्रबंध करें।' इस वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद है—
(a) संज्ञा पदबंध (b) सर्वनाम पदबंध
(c) विशेषण पदबंध (d) क्रिया पदबंध

(v) 'हरिहर काका के परिवार के पास कुल साठ बीघे खेत हैं।' - इस वाक्य में संज्ञा पदबंध का उदाहरण नहीं है—
(a) हरिहर काका के परिवार (b) परिवार के पास
(c) साठ बीघे खेत (d) कुल साठ बीघे खेत

4. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित निम्नलिखित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 1 × 4 = 4

(i) निम्नलिखित में से उपयुक्त सरल वाक्य छाँटकर लिखिए—
(a) परंतु याद नहीं कि उन्हें तोड़कर, सूंघकर फिर क्या करते।
(b) पहले दो-तीन सप्ताह तो खूब खेल-कूद हुआ करती।
(c) कपड़े उतार पानी में कूद जाते और बाहर निकल रेत पर लोटने लगते।
(d) जैसे-जैसे दिन 'छोटे' होने लगते स्कूल का भय बढ़ने लगता।

(ii) 'मास्टरों ने जो छुट्टियों में करने के लिए काम दिया होता उसका हिसाब लगाने लगते।' रचना के आधार पर वाक्य भेद है—
(a) सरल वाक्य (b) संयुक्त वाक्य
(c) मिश्र वाक्य (d) साधारण वाक्य

(iii) स्तंभ-1 और स्तंभ-2 को सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

स्तंभ '1'	स्तंभ '2'
I. हमारे दो परिवारों में मैं पहला लड़का था जो स्कूल जाने लगा था।	1. सरल वाक्य
II. हमारे दोनों परिवारों में स्कूल जाने वाला मैं पहला लड़का था।	2. संयुक्त वाक्य
III. हमारे दो परिवार थे और मैं स्कूल जाने वाला पहला लड़का था।	3. मिश्र वाक्य

(a) I. 2 II. 3 III. 1
(b) I. 3 II. 1 III. 2
(c) I. 1 II. 2 III. 3
(d) I. 3 II. 2 III. 1

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य है:
(a) लोगों को फ़ौज में भरती करने के लिए कुछ अफसर आते।
(b) मास्टर प्रीतमचंद को स्कूल के समय कभी भी मुसकराते नहीं देखा था।
(c) परंतु फ़ारसी भाषा जो थी वह तो अंग्रेज़ी से भी मुश्किल थी।
(d) पाँचवीं श्रेणी में अंग्रेज़ी भाषा की पढ़ाई शुरू होती थी।

(v) 'अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका को दुनिया की बेहतर समझ है।' - इस वाक्य का संयुक्त वाक्य होगा—
(a) यद्यपि हरिहर काका अनपढ़ हैं फिर भी उन्हें दुनिया की बेहतर समझ है।
(b) अनपढ़ हरिहर काका को दुनिया की बेहतर समझ है।
(c) हरिहर काका अनपढ़ हैं परंतु उन्हें दुनिया की बेहतर समझ है।
(d) अनपढ़ हरिहर काका द्वारा दुनिया की बेहतर समझ रखी जाती थी।

5. निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित निम्नलिखित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर सही उत्तर वाले विकल्पों को चुनकर लिखिए— 1 × 4 = 4

(i) 'गिरिधर' समस्तपद कौन-से समास का उदाहरण है?
(a) द्विगु समास (b) बहुव्रीहि समास
(c) तत्पुरुष समास (d) अव्ययीभाव समास

(ii) 'चंद्रमुखी' समस्तपद का विग्रह होगा—
(a) चंद्रमा के समान मुख वाली
(b) चंद्रमा के समान मुख
(c) चंद्र रूपी मुख
(d) मुख रूपी चंद्र

(iii) निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—

समस्तपद	समास
I. तीव्र है बुद्धि जिसकी	1. द्विगु समास
II. हाथ और पैर	2. कर्मधारय समास
III. छह रसों का समाहार	3. बहुव्रीहि समास
VI. स्त्री रूपी रत्न	4. द्वंद्व समास

उपर्युक्त युग्मों को सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।
(a) I. 2 II. 3 III. 4 IV. 1
(b) I. 1 II. 2 III. 4 IV. 3
(c) I. 3 II. 4 III. 1 IV. 2
(d) I. 4 II. 3 III. 2 IV. 1

(iv) 'प्राणप्रिय' समस्तपद के लिए सही समास-विग्रह और समास के नाम का चयन कर लिखिए—
(a) प्राणों के समान प्रिय है जो-बहुव्रीहि समास
(b) प्राणों में प्रिय-अव्ययीभाव समास
(c) प्राणों की प्रिय-तत्पुरुष समास
(d) प्राणों के समान प्रिय-कर्मधारय समास

(v) निम्नलिखित में द्विगु समास का उपयुक्त उदाहरण छाँटकर लिखिए—
(a) पंजाब (b) निर्दय
(c) तपोधन (d) महावीर

6. निर्देशानुसार 'मुहावरे' पर आधारित निम्नलिखित छह बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 1 × 4 = 4

(i) मुहावरे और अर्थ के उचित मेल वाले विकल्प का चयन का लिखिए—
(a) हिम्मत टूटना - हार मान लेना
(b) आँख फोड़ना - शत्रु को हराना
(c) लाज रखना - सम्मान की रक्षा करना
(d) दवे पाँव आना - धीरे-धीरे आना

(ii) 'बहुत आसान काम'- अर्थ के लिए उपयुक्त मुहावरा है—
(a) बाएँ हाथ का खेल (b) तीर मारना
(c) छुट्टी करना (d) तरस खाना

(iii) 'सुराग न मिलना'–मुहावरे का अर्थ है–
(a) पता/जानकारी न मिलना **(b)** उपाय न मिलना
(c) बिखर जाना **(d)** रहस्यमय ढंग से रहना

(iv) रेखांकित अंश के लिए कौन–सा मुहावरा उचित रहेगा?
'परीक्षा में प्रथम आने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ती है।'
(a) पापड़ बेलना **(b)** आँख बचाना
(c) दिन गिनना **(d)** हाय–हाय करना

(v) "पिता ..... की तरह दिन–रात काम में लगे रहते हैं और इसे मौज मस्ती से फुरसत नहीं है।" – रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए उपयुक्त मुहावरा चयन कर लिखिए।
(a) खाक छानना **(b)** अड़ियल टट्टू
(c) कोल्हू का बैल **(d)** दूध की मक्खी

(vi) निम्नलिखित में से 'ऊँचाई पर होना' अर्थ के लिए उचित मुहावरा है–
(a) खुशी का ठिकाना न रहना
(b) लोहे के चने चबाना
(c) तीर मारना
(d) सातवें आसमान पर होना

10. काव्य–खण्ड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए सर्वाधिक उचित विकल्प का चयन कर लिखिए– **1 × 2 = 2**

(i) 'एक–दूसरे का सहारा बनते हुए निरंतर आगे बढ़ो' इस भाव को व्यक्त करने वाली पंक्ति है–
(a) रहो न यों कि एक से न काम और का सरे
(b) अतर्क एक पंथ के सतर्क पंथ हो सभी
(c) परस्परावलंब से उठो तथा बढ़ो सभी
(d) तभी समर्थ भाव है कि तारता हुआ तरे

(ii) 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता के आधार पर लिखिए कि जल में बार–बार कौन झाँक रहा है?
(a) पर्वत **(b)** झरना
(c) तरुवर **(d)** पुष्प

खण्ड–'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

11. गद्य–खण्ड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए– **3 × 2 = 6**

(क) 'बड़े भाई साहब' कहानी से उद्धृत पंक्ति – 'बुनियाद ही पुख्ता न हो तो, मकान कैसे पायदार बने।' – का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'तीसरी कसम के शिल्पकार शैलेंद्र' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए कि सिनेमा की चकाचौंध के बीच रहते हुए भी शैलेंद्र यश और धन – लिप्सा से कोसों दूर थे।

(ग) 'कारतूस' एकांकी के आधार पर लिखिए कि लेफ्टीनेंट को वज़ीर अली का 'भूत' क्यों नज़र आ रहा था?

Outside Delhi Set-3 **4/2/3**

नोट: निम्नलिखित प्रश्नों के अतिरिक्त अन्य प्रश्न Outside Delhi Set-1 में हैं।

खण्ड–'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न)

3. निर्देशानुसार 'पदबंध' पर आधारित निम्नलिखित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **1 × 4 = 4**

(i) 'तीनों भाई हरिहर काका के पाँव पकड़ रोने लगे।' – रेखांकित पदबंध का भेद है–
(a) संज्ञा पदबंध **(b)** सर्वनाम पदबंध
(c) विशेषण पदबंध **(d)** क्रिया पदबंध

(ii) निम्नलिखित में से क्रिया–विशेषण पदबंध का उदाहरण है–
(a) हरिहर काका ने एकांत में मुझसे काफ़ी देर तक बात की।
(b) हरिहर काका ने एकांत में मुझसे काफ़ी देर तक बात की।
(c) हरिहर काका ने एकांत में मुझसे काफ़ी देर तक बात की।
(d) हरिहर काका ने एकांत में मुझसे काफ़ी देर तक बात की।

(iii) 'लोग अपने दालान और मकानों की छतों पर जमा होकर आहट लेने लगे।' रेखांकित पदबंध का भेद है–
(a) संज्ञा पदबंध **(b)** सर्वनाम पदबंध
(c) क्रिया पदबंध **(d)** क्रिया–विशेषण पदबंध

(iv) 'जाल में फँसी चिड़िया पकड़ से बाहर हो गई थी।' – इस वाक्य में विशेषण पदबंध का उदाहरण है।
(a) जाल में फँसी चिड़ियाँ **(b)** बाहर हो गई थी।
(c) जाल में फँसी **(d)** पकड़ से बाहर

(v) 'महंत की चिकनी–चुपड़ी बातों के भीतर की सच्चाई भी अब वह जान गए थे।' इस वाक्य में संज्ञा पदबंध होगा–
(a) महंत की चिकनी–चुपड़ी
(b) महंत की चिकनी–चुपड़ी बातों
(c) भीतर की सच्चाई भी अब
(d) अब वह जान गए थे।

4. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य–भेद' पर आधारित निम्नलिखित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **1 × 4 = 4**

(i) निम्नलिखित में से उपयुक्त सरल वाक्य छाँटकर लिखिए–
(a) हरिहर ने देर तक अपने बयान दर्ज़ कराए।
(b) वह जब पढ़ने बैठता तो मुन्नी बाबू को कोई काम निकल आता।
(c) इसलिए तय हुआ कि टोपी जाड़ा खाए।
(d) एक बहत्तर बरस की थी और दूसरा आठ साल का।

(ii) 'वह अभी इतना बड़ा नहीं हुआ था कि झूठ और सच के किस्से में पड़ता।' आधार पर वाक्य भेद है–
(a) सरल वाक्य **(b)** संयुक्त वाक्य
(c) मिश्र वाक्य **(d)** साधारण वाक्य

(iii) स्तंभ–1 और स्तंभ–2 को सुमेलित कीजिए और उचित विकल्प चुनकर लिखिए।

स्तंभ '1'	स्तंभ '2'
I. इफ़्फन की दादी नमाज़–रोज़े की पाबंद थी।	1. संयुक्त वाक्य

II. इफ़्फ़न की दादी थी और वह नमाज़-रोज़े की पाबंद थी।	2. मिश्र वाक्य
III. इफ़्फ़न की जो दादी थी वह नमाज़-रोज़े की पाबंद थी।	3. सरल वाक्य

(a) I. 3 II. 2 III. 1
(b) I. 3 II. 1 III. 2
(c) I. 2 II. 3 III. 1
(d) I. 1 II. 3 III. 2

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य है—
(a) बेटे की शादी के दिन तो उनका दिल गाने-बजाने के लिए फड़का।
(b) बेटे की शादी का दिन आया और उनका दिल गाने-बजाने के लिए फड़का।
(c) जब बेटे की शादी का दिन आया तो उनका दिल गाने-बजाने के लिए फड़का।
(d) बेटे की शादी का दिन आया इसलिए उनका दिल गाने-बजाने के लिए फड़का।

(v) 'पेट में सात सुइयाँ भुर्की तो टोपी के होश ठिकाने आए।' - इस वाक्य का संयुक्त वाक्य होगा—
(a) जब पेट में सात सुइयाँ भुर्की तब टोपी के होश ठिकाने आए।
(b) पेट में सात सुइयाँ भुर्की और टोपी के होश ठिकाने आए।
(c) पेट में सात सुइयाँ भुकने पर टोपी के होश ठिकाने आए।
(d) क्योंकि पेट में सात सुइयाँ भुर्की इसलिए टोपी के होश ठिकाने आए।

5. निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित निम्नलिखित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्पों को चुनकर लिखिए— 1 × 4 = 4

(i) 'जितेंद्रिय' समस्तपद कौन-से समास का उदाहरण है?
(a) कर्मधारय समास (b) तत्पुरुष समास
(c) बहुव्रीहि समास (d) अव्ययीभाव समास

(ii) 'लोकप्रिय' समस्तपद का विग्रह होगा—
(a) लोक पर प्रिय (b) लोक में प्रिय
(c) लोक से प्रिय (d) लोक है जो प्रिय

(iii) निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—

समस्तपद	समास
I. विचार में मग्न	1. तत्पुरुष समास
II. नीली है जो गाय	2. बहुव्रीहि समास
III. लव और कुश	3. कर्मधारय समास
VI. पाँच हैं आनन जिसके	4. द्वंद्व समास

उपर्युक्त युग्मों को सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए—
(a) I. 2 II. 1 III. 4 IV. 3
(b) I. 3 II. 1 III. 2 IV. 4
(c) I. 4 II. 3 III. 2 IV. 1
(d) I. 1 II. 3 III. 4 IV. 2

(iv) 'दशकंध' समस्तपद के लिए सही समास विग्रह और समास के नाम का चयन कर लिखिए—
(a) दस हैं कंधे जिसके - बहुव्रीहि समास
(b) दस कंधों वाला - द्विगु समास
(c) दस कंधे - द्विगु समास
(d) दस कंधों का समाहार - कर्मधारय समास

(v) निम्नलिखित में से तत्पुरुष समास का उदाहरण छाँटकर लिखिए—
(a) पीतांबर (b) महेश
(c) प्रसंगानुकूल (d) यथासमय

6. निर्देशानुसार 'मुहावरे' पर आधारित निम्नलिखित छह बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 1 × 4 = 4

(i) मुहावरे और अर्थ के उचित मेल वाले विकल्प का चयन कर लिखिए—
(a) सस्ता सौदा - आसान उपाय
(b) धमाचौकड़ी मचाना - हिसाब किताब करना
(c) जान बख़्शी करना - पुरस्कार देना
(d) चक्कर खाना - बेहोश होना

(ii) 'लड़ाई के लिए तैयार रहना' अर्थ के लिए उचित मुहावरा है—
(a) आटे-दाल का भाव मालूम होना
(b) दीन-दुनिया से जाना
(c) आड़े हाथों लेना
(d) तलवार खींचना

(iii) 'अँधा चोट निशाना पड़ना' - मुहावरे का अर्थ है—
(a) बहुत अधिक परेशानी उठाना
(b) बहुत मेहनत करना
(c) संयोग से सफ़लता मिलना
(d) गलत काम करना

(iv) 'अध्यापक ने बच्चों से कहा अच्छी तरह समझ लो कि परीक्षा केंद्र में समय पर पहुँचना है।' - इस वाक्य में रेखांकित अंश के लिए उचित मुहावरा होगा—
(a) नज़र रखना (b) पन्ने रँगना
(c) गाँठ बाँधना (d) शब्द चाटना

(v) 'प्रथम प्रयास में ही सिविल परीक्षा उत्तीर्ण होने से रामू के .....।' रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए उचित मुहावरा चयन कर लिखिए।
(a) फूले नहीं समाना (b) पाँव ज़मीन पर न पड़ना
(c) अंग-अंग ढीला होना (d) चाँदी होना

(vi) 'प्राणों की परवाह न करना' अर्थ के लिए उचित मुहावरा है—
(a) सिर पर कफ़न बाँधना (b) कमर कसना
(c) सिर पर भूत सवार होना (d) हाथ तोड़ना

7. काव्य-खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए सर्वाधिक उचित विकल्प का चयन कर लिखिए— 1 × 2 = 2

(i) एक-दूसरे की सहायता न करना, संसार में सबसे बड़ा अनर्थ है।' इस भाव को व्यक्त करने वाली पंक्ति है—
(a) 'मनुष्य मात्र बंधु है', यही बड़ा विवेक है।
(b) तभी समर्थ भाव है कि तारता हुए तरे।
(c) अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे।
(d) वशीकृता सदैव ही बनी हुई स्वयं मही।

(ii) 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता के आधार पर लिखिए कि झरने क्या कर रहे हैं?
(a) आकाश की ऊँचाई की ओर झाँक रहे हैं।
(b) पर्वतों के यश का गुणगान कर रहे हैं।

(c) पर्वतों की सुषमा में अभिवृद्धि कर रहे हैं।
(d) तालाबों में अपना प्रतिबिंब निहार रहे हैं।

खण्ड–'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

12. गद्य–खण्ड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए— 3 × 2 = 6

(क) 'बड़े भाई साहब' कहानी से उद्धृत इस पंक्ति – 'सफ़ल खिलाड़ी वह है जिसका कोई निशाना खाली न जाए।' – का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'तीसरी कसम के शिल्पकार शैलेंद्र' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए कि मूल कहानी का रेशा – रेशा, छोटी–छोटी बारीकियाँ तीसरी कसम फ़िल्म में उतर आई हैं।

(ग) 'कारतूस' एकांकी के किस पात्र ने आपको सर्वाधिक प्रभावित किया है ? उसके चरित्र की किस विशेषता को आप अपनाना चाहेंगे और क्यों ?

❑❑❑

उत्तरमाला

Delhi Set-1 **4/1/1**

खण्ड–'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर)

1. (i) विकल्प (b) सही है।
व्याख्या—ग्रीष्म अवकाश के समय को पढ़ाई के दबाव से परे रचनात्मक सोच, सामुदायिक समझ और रिश्तों से जुड़ाव को पोषित करने में लगाना ज़रूरी है।
(ii) विकल्प (a) सही है।
व्याख्या—सामुदायिक केन्द्रों से जुड़े और सेवा देने वाले बच्चों का स्वास्थ्य बेहतर होता है और बच्चे खुश भी रहते हैं।
(iii) विकल्प (c) सही है।
(iv) विकल्प (b) सही है।
(v) विकल्प (b) सही है।

2. (i) विकल्प (d) सही है।
व्याख्या—नदियों को धरती का प्राण माना जाता है जब इन पर संकट मंडराता है तब यह स्थिति डराती है।
(ii) विकल्प (d) सही है।
व्याख्या—2030 तक दुनिया में पानी की माँग कुल आपूर्ति से ज़्यादा हो जाएगी।
(iii) विकल्प (d) सही है।
(iv) विकल्प (c) सही है।
(v) विकल्प (c) सही है।
व्याख्या—'जैव विविधता' से तात्पर्य जीव–जन्तुओं और वनस्पति की विविधता से है।

3. (i) विकल्प (d) सही है।
व्याख्या—क्योंकि क्रिया पदबंध में एक से अधिक क्रियापद मिलकर क्रिया का कार्य करते हैं अत: इस वाक्य में भी 'काँफ़िला चला आ रहा हो' में चलना मुख्य क्रिया है जो कि शीर्षपद है अन्य पद उस पर आश्रित है इसलिए, क्रियापदबंध है।
(ii) विकल्प (c) सही है।
व्याख्या—क्योंकि विशेषण का कार्य करने वाले विशेषण पदबंध होते हैं यहाँ पर 'कोई पाँच महीने' पद में हुकूमत करने की विशेषता पाँच महीने बताई जा रही हैं अत: विशेषण पदबंध हैं।
(iii) विकल्प (a) सही है।
व्याख्या—इस वाक्य में बरतन शीर्षपद हैं जोकि एक संज्ञा पद का कार्य कर रहा है अत: यहाँ संज्ञा पदबंध है।
(iv) विकल्प (c) सही है।
व्याख्या—इस वाक्य में व्यक्ति की विशेषता 'नेक और मददगार बता रहा है जो कि एक विशेषण पदबंध का कार्य कर रहा है अत: यहाँ विशेषण पदबंध हैं।
(v) विकल्प (b) सही है।
व्याख्या—यहाँ भागा— भागा क्रिया विशेषण है।

4. (i) विकल्प (d) सही है।
व्याख्या—इस वाक्य में एक उद्देश्य 'सूरज' और एक ही विधेय है अत: यहाँ सरल वाक्य है।
(ii) विकल्प (c) सही है।
व्याख्या—संयुक्त वाक्य शब्दों द्वारा जुड़े होते हैं। इस वाक्य में भी संयोजक शब्द 'तथा' के द्वारा वाक्यों को जोड़ा गया है।
(iii) विकल्प (b) सही है।
व्याख्या—मिश्रवाक्य में एक उपवाक्य, एक आश्रित उपवाक्य समुच्चयबोधक शब्दों द्वारा जुड़ा होता है। इस वाक्य में भी कि समुच्चयबोधक शब्द द्वारा वाक्य को जोड़ा गया है अत: मिश्र वाक्य है।
(iv) विकल्प (a) सही है।

स्तंभ 'अ'	स्तंभ 'ब'
I. वह अचंभित था और रोमांचित भी था।	1. संयुक्त वाक्य
II. तताँरा उसे जाते हुए निहारता रहा।	2. सरल वाक्य
III. बस भीतर समर्पण था जो अनवरत गहरा था।	3. मिश्र वाक्य

(v) विकल्प (d) सही है।

5. (i) विकल्प (b) सही है।
व्याख्या—तत्पुरुष समास में कारक विभक्ति का प्रयोग होता हैं। 'आत्मगौरव' का समास ब्रिगह 'आत्म का गौरव' है अत: यहाँ सम्बन्ध तत्पुरुष समास है।

(ii) विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—अव्ययीभाव समास में अव्यय या उपसर्ग की प्रधानता होती है 'बेवक्त' में 'बे' उपसर्ग लगा है जिसका अर्थ है बिना वक्त के अत: यहाँ अव्ययीभाव समास है।

(iii) विकल्प (d) सही है।

व्याख्या—महात्मा का समास विग्रह-महान् है जो आत्मा होता है।

(iv) विकल्प (*) सही है।

समस्तपद	समास
I. मृगनयनी	1. कर्मधारय समास
II. श्वेतांबर	2. कर्मधारय समास
III. नदी-नाले	3. द्वन्द्व समास
VI. आत्मनिर्भर	4. तत्पुरुष समास

(v) विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—पीताम्बर का अर्थ है पीले हैं अम्बर जिसके। इसमें बहुव्रीहि समास है।

6. **(i) विकल्प (a) सही है।**

व्याख्या—कँपकँपी छूटना मुहावरे का अर्थ है डर से शरीर काँपना।

(ii) विकल्प (d) सही है।

व्याख्या—रहस्य प्रकट होना मुहावरे का अर्थ 'कलई खुलना' होता है अत: यही सही है।

(iii) विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—आस्तीन का साँप मुहावरे का अर्थ 'कपटी मित्र' होता है।

(iv) विकल्प (b) सही है।

व्याख्या—बुरा लगना मुहावरे का अर्थ ज़हर लगना होता है।

(v) विकल्प (b) सही है।

व्याख्या—पैरों तले ज़मीन खिसकना मुहावरा सही है।

(vi) विकल्प (d) सही है।

व्याख्या—पता न चलना मुहावरे का अर्थ है सुराग न मिलना।

7. **(i) विकल्प (b) सही है।**

व्याख्या—रंतिदेव परमदानी राजा थे।

(ii) विकल्प (a) सही है।

स्तंभ 'अ'	स्तंभ 'ब'
I. उशीनर	1. अपना माँस देकर कबूतर के प्राण बचाए।
II. दधीचि	2. अस्थियाँ देकर देवताओं की सहायता की।
III. कर्ण	3. अपने शरीर की चमड़ी भी दान में दी।

(iii) विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—कवि ने उदाहरणों के माध्यम से यह संदेश दिया है कि शरीर नाशवान है अत: जीव को डरना नहीं चाहिए।

(iv) विकल्प (d) सही है।

(v) विकल्प (b) सही है।

8. **(i) विकल्प (c) सही है।**

व्याख्या—कबीर के दोहे में अँधियारा अज्ञानता का प्रतीक है इसलिए उत्तर अज्ञान सही है।

(ii) विकल्प (d) सही है।

व्याख्या—'पर्वतप्रदेश में पावस' कविता में झरने पर्वतों के गौरव का गान कर रहे हैं।

9. **(i) विकल्प (c) सही है।**

व्याख्या—बड़े भाई साहब अब छोटे भाई को प्राय: नहीं डाँटते क्योंकि छोटा भाई खेलकर भी अव्वल आता है।

(ii) विकल्प (d) सही है।

(iii) विकल्प (d) सही है।

(iv) विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—छोटा भाई छिपकर पतंगबाज़ी इसलिए करता क्योंकि उसे लगा शायद भाई साहब को पतंगबाज़ी पसन्द न आए।

(v) विकल्प (c) सही है।

10. **(i) विकल्प (c) सही है।**

(ii) विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—वज़ीर अली अफ़गानी हमले की प्रतीक्षा अंग्रेजों को चारों तरफ़ से घेरने के लिए कर रहा था।

खण्ड-'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर)

11. **(क)** शेख अयाज़ के पिता अपनी बाजू पर काले च्योंटे को रेंगते हुए, देख कर अपनी माँ द्वारा परोसा हुआ भोजन छोड़कर उठ गए और बोले आज मैंने किसी घर वाले को बेघर कर दिया है, तो उसे घर छोड़ने जा रहा हूँ और वह उसे कुएँ पर वापस छोड़ने गए। इससे उनकी बहुत ही दयालु भावना तथा जीवप्रेमी मनुष्यता के विषय में पता चलता हैं।

(ख) 'झेन की देन' पाठ में जापान के शांत वातावरण में चाय पीते समय लेखक के दिमाग से भूत और भविष्य दोनों लुप्त हो गए थे। वह वर्तमान में जी रहा था जो अनंत काल जितना विस्तृत था। लेखक को इस बात का अनुभव हुआ कि जापानियों को झेन परंपरा की यह बड़ी देन मिली है।

(ग) पुलिस कमिश्नर के नोटिस में चेतावनी दी गई थी कि लोग 26 जनवरी को सभा में सम्मिलित न हों, इसके बावज़ूद कौंसिल के नोटिस में यह बताया गया था कि मोनूमेंट के नीचे ठीक चार बजकर चौबीस मिनट पर झंडा फहराया जाएगा तथा स्वतंत्रता की प्रतिज्ञा पढ़ी जाएगी। सर्वसाधारण की उपस्थिति होनी अनिवार्य है। इसे ही ओपन लड़ाई कहा गया है। इस दिन भारत की आज़ादी के लिए व्यापक संघर्ष हुआ। कितने ही लोग पुलिस की लाठियों के शिकार हुए, कितनों को जेल में बंद किया गया। फिर भी आंदोलनकारी सभी जुलूस त्याग कर भागे नहीं। अंगेज़ों से टकराना अपनी मौत को बुलाना था। इसके लिए अपूर्व बलिदान, साहस और त्याग चाहिए था। कोलकाता वासियों ने अपना अपूर्व बलिदान देकर मोनूमेंट पर झंडा फहराया तथा प्रतिज्ञा पढ़ी और कठिन कार्य करके इस दिन को अपूर्व बनाया अत: इस दिन को अपूर्व कहा गया।

**नोट: बोर्ड द्वारा प्रश्न पत्र में विकल्प सही नहीं दिये गये हैं।*

12. **(क)** पहले पद में मीराबाई अपने आराध्य श्रीकृष्ण से अपनी पीड़ा हरने की विनती करती करती हैं और उनके कर्तव्यों का स्मरण करवाने के लिए उदाहरण देकर बताती हैं कि उन्होंने किस प्रकार अपने भक्तों के कष्टों को दूर किया। मीराबाई कहती हैं कि हे प्रभु! आपने दुर्योधन की भरी सभा में द्रौपदी का वस्त्र बढ़ाकर उसकी लाज बचाई, भक्त प्रहलाद की रक्षा करने के लिए नरसिंह का रूप धारण करके हिरण्यकश्यप को मारा, डूबते हुए गजराज को बचाया और उसके कष्ट को दूर करने के लिए मगरमच्छ को मारा उसी प्रकार से हे प्रभु। आप मेरे भी कष्टों को दूर करें।

(ख) विरासत में मिली वस्तुओं की सँभाल ज़रूरी है क्योंकि विरासत में मिली चीज़ें हमें अपने पूर्व अनुभवों की, पुरानी परंपराओं की और हमारे इतिहास की याद दिलाती हैं। नई पीढ़ी उनके बारे में जाने, उनके अनुभवों से कुछ सीखे और उनकी बनाई हुई श्रेष्ठ परंपराओं का पालन करें। इसी उद्देश्य से विरासत में मिली चीज़ों को सँवार-सँभाल कर रखा जाता है।

(ग) प्रस्तुत पंक्ति में धरती को दुल्हन कहा गया है, क्योंकि भारतीय सैनिकों ने अपने खून से भारतमाता की धरती की माँग भरी थी। भारतीय सैनिक इस दुल्हन की रक्षा के लिए जी-जान से लड़े थे। चीन इस दुल्हन पर अपना हक़ जमाना चाहता था, परंतु भारतीय सैनिकों ने स्वयं का बलिदान देकर इसकी रक्षा की। इन पंक्तियों में सैनिकों की भावनात्मकता, देश की रक्षा के लिए बलिदान होने की भावना स्पष्ट रूप से झलकती है।

13. **(क)** मैत्री धर्म, जाति, रंग-भेद प्रतिष्ठा आदि से ऊपर शुद्ध प्रेम और भावनाओं का प्रतिबिंब होता है। 'टोपी शुक्ला' पाठ में टोपी और इफ़्फ़न की दादी में घनिष्ठ प्रेम था। दोनों अलग-अलग जाति और मज़हब के थे। मगर दोनों अटूट रिश्ते से बँधे थे। प्यार का बंधन किसी जाति और धर्म को नहीं मानता। टोपी कट्टर हिंदूवादी ब्राह्मण तो इफ़्फ़न की दादी पक्की रोज़ा-नमाज़ रखने वाली। यह भेद भी इन दोनों को एक-दूसरे से प्रेम करने से रोक नहीं सका। दोनों आपस में प्रेम-स्नेह के रिश्ते में बँधे थे। टोपी के पिता डॉक्टर थे और इफ़्फ़न के पिता कलेक्टर फिर भी दोनों में गहरी दोस्ती थी। दोनों एक दूसरे के दु:ख दर्द को समझते थे अत: हम कह सकते हैं कि मित्रता, धर्म जाति से ऊपर हृदय के बंधन हैं। शुद्ध प्रेम किसी जाति बंधन से ऊपर होता है।

(ख) लेखक कहता है कि जैसे-जैसे उनकी गरमी की छुट्टियों के दिन खत्म होने लगते हैं तो वे लोग दिन गिनने शुरू कर देते थे। उनकी जब गरमी की छुट्टियाँ होती थीं तो वे खेलकूद कर और ननिहाल जाते थे और वहाँ अपने साथियों के साथ तालाब में नहाना, पेड़ों से आम तोड़कर खाते थे। जिस साल वे नहीं जाते थे वे घर से कुछ दूर तालाब पर चले जाते, कपड़े उतार पानी में कूद जाते और कुछ समय बाद, भागते हुए एक रेतीले टीले पर जाकर, रेत के ऊपर लेटने लगते। रेत को गंदले पानी से साफ़ कर फिर टीले की ओर भाग जाते। याद नहीं कि ऐसा कितने बार करते हुए आनंदित होते। परंतु हमारी गरमी की छुट्टियाँ बिलकुल अलग ढंग से होती हैं। हम घर पर ही रहकर लूडो, चेस, वीडियो गेम खेलते हैं। कंप्यूटर पर गेम जैसे इंडोर गेम खेलते हैं। या पर्वतीय स्थानों की सैर के लिए जाते हैं।

(ग) यदि हमारे पड़ोसी काका की स्थिति हरिहर काका जैसी हो तो हम उनके पास बैठकर उनसे बातें करते। हम उनसे खाने-पीने की वस्तुएँ बाँटते, उनकी पसंद की कोई वस्तुएँ उन्हें देंगे।

हँसी-मज़ाक की बातें करके उनको हँसाने की कोशिश करेंगे। प्रतिदिन कुछ समय निकालकर उनसे बात करने की कोशिश करेंगे। शायद किसी दिन वह हमसे बातें करना शुरू कर दें। इस तरह हम अपने पड़ोसी काका की मदद करेंगे।

14. **(क) खेल बिना पाठ्यक्रम है अधूरा**

खेल हमें शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखता है, मानसिक रूप से शांति प्रदान करता है। जीवन में सफ़लता प्राप्त करने के लिए शिक्षा और खेल दोनों का महत्त्व होता है। हम सभी के लिए, शिक्षा तथा खेल दोनों आवश्यक होता है, शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद भी आवश्यक होता है क्योंकि खेलकूद से हमारा शरीर स्वस्थ रहता है अत: छात्रों को शारीरिक रूप से स्वस्थ और सक्रिय रखने के लिए पाठ्यक्रम में खेलों का होना नितान्त आवश्यक है। खेल खेलने से न केवल स्वस्थ जीवन मिलता है, बल्कि साथियों, सहपाठियों के साथ अच्छे संपर्क बनाने में भी मदद मिलती है। खेल का पाठ्यक्रम में होने से ही छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है और छात्र को जीवन में आनेवाली चुनौतियों पर काबू पाने में भी मदद मिलती है। आज के युग में पाठ्यक्रम में खेलों का होना अनिवार्य है। इससे छात्रों का चहुँमुखी विकास होता हैं, अत: आज के पाठ्यक्रम में दोनों अर्थात् खेल और शिक्षा दोनों की अनिवार्यता है।

(ख) जब तक पहाड़-नदियाँ हैं तब तक जीवन है

यह सच है कि प्रकृति की गोद में ही जीवन है। नदियाँ और पहाड़ हमारे प्रकृति का अभिन्न अंग हैं। प्रकृति से ही हमें भोजन-पानी मिलता हैं। साँस लेने के लिए ऑक्सीजन मिलता है। इसलिए प्रकृति के प्रति हमें जागरूक रहना चाहिए और इसी प्रकृति की गोद में नदियाँ और पहाड़ बसते हैं। और ये नदियाँ पहाड़ों से ही निकलने वाली धाराएँ हैं। पहाड़ है तो नदियाँ हैं, पहाड़ों के बिना नदियों का कोई अस्तित्व नहीं है। पहाड़ों पर रहना कठिन है परंतु पहाड़ों से हमारी प्रकृति की रौनक है, हरियाली है। नदियों और पहाड़ों से ही हमारा जीवन है। हमें फल-फूल इन्हीं के माध्यम से ही प्राप्त होता है। प्रकृति से हम मनुष्यों का गहरा सम्बन्ध है। दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। प्रकृति की सबसे बड़ी खासियत है कि वह अपनी चीज़ों का उपभोग स्वयं नहीं करती बल्कि हम करतें हैं इसलिए हमें उनसे मित्रता करनी चाहिए अन्यथा वह रूठ गईं तो सैलाब लाकर हमारा नुकसान कर सकती है। यही हमारा विकास भी करती है। पर्यावरण की सुरक्षा से ही हमारा सतत् विकास है।

(ग) बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ

सदियों से हमारे देश भारत में बेटियों को लक्ष्मी का दर्ज़ा दिया जाता रहा है। लक्ष्मी यानि धन, ऐश्वर्य एवं सुख समृद्धि की देवी जिनके आने से ही घरों में खुशियाँ आ जाती हैं। पूरा परिवार खुशहाल हो जाता है ठीक उसी प्रकार बेटियों के जन्म से लोगों में अपार खुशियाँ होती थीं लेकिन समय के बीतने के साथ ही कुछ सामाजिक कुरीतियों के चलते इन सामाजिक रूढ़ियों का कोपभाजन इन बेटियों को ही बनना पड़ा। इन सामाजिक कुरीतियों में दहेजप्रथा, बालविवाह, बेटियों की अशिक्षा, समाज में बराबरी का हिस्सा न होना, भ्रूण हत्या, सामाजिक शोषण, यौन शोषण जैसी अनेक बुराइयों के चलते आज के समय में अब यही बेटियाँ इस समाज में खुद को सुरक्षित नहीं पाती हैं और इन्हीं बुराइयों से इन बेटियों को बचाने के लिए हमारे देश में अनेक प्रयास भी किए जाते रहे हैं। जिसका जीता जागता उदाहरण 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना भी है। अब इन बेटियों के बचाव और सुरक्षित भविष्य के लिए हमारे देश की सरकार नई-नई योजनाएँ भी ला रहीं है। जिनमें बेटियों की जीवन रक्षा और उनके जीवन को सुचारू रूप से चलाने के लिए बेटियों की शिक्षा पर बल दिया जा रहा है। जिसे 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के नाम से जाना गया है। बेटियाँ हमारे समाज का अभिन्न अंग हैं। इनकी सुरक्षा से ही हमारे समाज की रक्षा हो सकेगी। जिसका मुख्य मकसद बेटियों की रक्षा के साथ-साथ उन्हें समाज में उच्चा शिक्षा और एक समान अधिकार दिलाना है। आज इसी शिक्षा के बल पर महिलाएँ चाँद पर पहुँच गईं हैं।

15. (क) परीक्षाभवन,

मुंबई।
दिनांक - 22 फरवरी 20××
सेवा में,
दूरदर्शन निदेशक,
दूरदर्शन केन्द्र,
मुंबई।
विषय-बच्चों द्वारा अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन का सीधा प्रसारण हेतु पत्र।
महोदय,
मैं मुंबई क्षेत्र का निवासी हूँ। आप जैसे कुशल एवं कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी को दूरदर्शन केन्द्र के निदेशक के पद पर नियुक्त पाकर हम सचमुच प्रसन्न हैं।
मुझे आपके द्वारा प्रसारित कार्यक्रम पसंद हैं। मेरे क्षेत्र में एक स्टेडियम की स्थापना दिवस की वर्षगाँठ समारोह के उपरांत दिव्यांग बच्चों द्वारा भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया जा रहा है। मैं चाहता हूँ कि आप अपने दूरदर्शन के माध्यम से दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा की प्रस्तुति का सीधा प्रसारण करें।
अत: आपसे अनुरोध है। कि इसके सीधे प्रसारण के कार्यक्रम को दिखाकर छात्रों का उत्साह बढ़ाएँ। इसके लिए हम सब आपके आभारी रहेंगे।
धन्यवाद
भवदीय,
अ.ब.स

अथवा

(ख) परीक्षाभवन,
मुंबई।
दिनांक - 22 फरवरी 20××
सेवा में,
विभागाध्यक्ष,
पुरातत्त्व विभाग,
मुंबई।
विषय: नगर की ऐतिहासिक इमारतों के उचित रख-रखाव हेतु पत्र।
महोदय,
मैं मुंबई क्षेत्र का निवासी हूँ। आप जैसे कुशल एवं कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी को पुरातत्त्व विभाग के अध्यक्ष के पद पर नियुक्त पाकर हम सचमुच प्रसन्न हैं।
मुझे अपने नगर की ऐतिहासिक इमारतों को देखकर काफ़ी चिंता हो रही है। यहाँ की इमारतें बिलकुल जर्जर हो गई हैं। उन इमारतों की ऐसी दयनीय हालत देखकर मुझे काफ़ी चिंता हो रही हैं। इन्हें देखने भारी संख्या में देशी और विदेशी पर्यटक आते हैं तो कहीं वे किसी हादसे का शिकार न हो जाएँ।
अत: आपसे अनुरोध हैं कि आप अपने विभाग के कर्मचारियों की मदद से इन इमारतों की जल्द-से-जल्द मरम्मत कराएँ। इसके लिए हम सब आपके आभारी रहेंगे।
धन्यवाद
भवदीय,
अ.ब.स

16. (क) सूचना लेखन

केन्द्रीय विद्यालय, दिल्ली

सूचना

बाल कलाकारों द्वारा नाट्य प्रस्तुति

दिनाक - 22 फरवरी, 20××

समस्त छात्रों को सूचित किया जाता है कि कल दिनांक 23 फरवरी को विद्यालय के प्रांगण में बाल कलाकारों द्वारा नाट्य की प्रस्तुति का आयोजन है। इच्छुक छात्र अपने परिवार के द्वारा इस कार्यक्रम में पधार कर बाल कलाकारों का उत्साह बढ़ाएँ।

सचिव

(ख) **अथवा**

केन्दीय विद्यालय, दिल्ली

सूचना

क्षेत्रीय पुलिस द्वारा स्वरक्षा प्रशिक्षण शिविर

दिनाक – 22 फरवरी, 20××

समस्त छात्रों को सूचित किया जाता है कि कल दिनांक 23 फरवरी को विद्यालय में क्षेत्रीय पुलिस द्वारा स्वरक्षा हेतु प्रशिक्षण शिविर लगाया जा रहा है। इच्छुक छात्र अपना नाम विद्यालय के एन. सी. सी. शिक्षक को दे दें।

प्राचार्य

17. (क) **विज्ञापन लेखन**

मदर्स प्राइड विद्यालय

जहाँ सपने होंगें साकार

विशेषताएँ :

- आधुनिक पद्धति और तकनीक द्वारा शिक्षा प्रदान
- व्यक्तित्व का विकास
- अंग्रेजी माध्यम
- बच्चों का सर्वांगीण विकास
- कंप्यूटर पद्धति द्वारा खेल खेल में शिक्षा

संपर्क – तनिशा पांडे, मदर्स प्राइड विद्यालय, 4900044. मो नं – 2234579XXX

(ख) **अथवा**

जैविक फल – सब्जियों का बाज़ार

जैविक क्रान्ति संपूर्ण भारत में मिशन 2022,

जैविक खेती एक नई सोच।

पर्यावरण को स्वच्छ बनाए।
स्वास्थ्य की रक्षा करे।

संपर्क – शिवाधार मिश्र, रणवीर सिंह

मो नं. – 998XXXXXXX, 989XXXXXXX

18. (क) **विज्ञापन लेखन**

लघु कथा

'सुबह घर तो शाम किधर, खुद उस को मालूम नहीं।
यूँ मानो या यूँ विहग, देखो नर एक समांविहग।।'

जब मानव ने स्वयं को पक्षियों की तरह छोटा करने की शक्ति पाई तब वह डिब्बेनुमा घरों में पेड़ पर रहने लगा। तब पृथ्वी पर आबादी कम हो गई। पर्यावरण शुद्ध हो गया पृथ्वी पर जो प्रदूषण दूषित हो गया था वह अब साफ़ हो गया।

मनुष्य सदा से ही आकाश में उड़ने की आकाँक्षा लिए हुए है। तो यदि मनुष्य पंछी बन जाए तो उसे सर्वप्रथम घोंसले में एक निषेचित अण्डे के रूप में शुरूआत करनी होगी और अपना बसेरा पेड़ों पर करना पड़ेगा। पक्षियों की भाँति जगह-जगह उड़ कर भोजन की तलाश करनी होगी। कच्चा-पक्का भोजन, सड़े-गले पदार्थ खाने पड़ेंगे। तब मनुष्य स्वादिष्ट भोजनों और पकवान से वंचित रह जाएगा और उसे बड़े-बड़े घरों की अपेक्षा पेड़ों पर छोटे-छोटे घरों में रहना पड़ेगा।

(ख) अथवा

प्रेषक: abc@gmail.com
प्रति: def@gmail.com
कार्बन कॉपी:
दिनांक: 28 फरवरी, 20XX, 7 : 00 P.M.
विषय: ऑनलाइन पुस्तकें हमारे ऑर्डर के अनुरूप नहीं प्राप्त होने के सम्बन्ध में।
महोदय,
आपसे सविनय निवेदन हैं कि मैंने आपकी सुप्रसिद्ध दुकान से कुछ हिन्दी की पुस्तकें ऑनलाइन मँगवाई थीं। मैंने हिन्दी व्याकरण की कक्षा छठवीं, सातवीं, आठवीं की पुस्तकें आप की दुकान से ऑनलाइन मँगवाई थीं परन्तु मुझे उन पुस्तकों के बदले दूसरी पुस्तकें अर्थात् अंग्रेज़ी और गणित की पुस्तकें गलती से प्राप्त हुई हैं।
अत: आपसे अनुरोध है कि मुझे जल्द-से-जल्द आप मेरी ज़रूरत की पुस्तकें भिजवाने की कृपा करें। इसके लिए मैं आपका बहुत आभारी रहूँगा।
धन्यवाद
भवदीय
अ. ब. स.

खण्ड-'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर)

3. **(i) विकल्प (a) सही है।**
व्याख्या—ऐसा पदबंध जो संज्ञा पद के स्थान पर प्रयुक्त होता है, उसे संज्ञा पदबंध कहते हैं।
(ii) विकल्प (b) सही है।
व्याख्या—जब क्रिया वाक्य में पदबंध के रूप में प्रयुक्त होती है तब उसे क्रिया पदबंध कहते हैं।
(iii) विकल्प (d) सही है।
व्याख्या—'लड़ाकू, चालाक और दबंग' विशेषण शब्द हैं जिन्हें महंत जी की विशेषता बताने के लिए प्रयोग में लाया गया है।
(iv) विकल्प (a) सही है।
(v) विकल्प (b) सही है।

4. **(i) विकल्प (c) सही है।**
(ii) विकल्प (c) सही है।
व्याख्या—ऐसा वाक्य जिसमें एक या उससे अधिक उपवाक्य हो तथा वे अन्य उपवाक्य पर आश्रित हो उसे मिश्र वाक्य कहते हैं।
(iii) विकल्प (b) सही है।
(iv) विकल्प (d) सही है।
व्याख्या—संयुक्त वाक्य में और किन्तु, परन्तु, तथा, इत्यादि का प्रयोग होता है।
(v) विकल्प (d) सही है।

खण्ड-'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर)

13. **(क)** 'अब कहाँ दूसरों के दु:ख से दु:खी होने वाले' पाठ के माध्यम से लेखक ने यह प्रतिपादित किया है कि वर्तमान में मनुष्य इतना स्वार्थी हो गया है कि वह अपने हित की पूर्ति के लिए न सिर्फ़ दूसरे के हितों के प्रति असंवेदनशील हो जाता है बल्कि ईश्वर की बनाई सुन्दर दुनिया को नष्ट करने से भी पीछे नहीं हटता। किन्तु वह भूल जाता है कि प्रकृति की सहनशक्ति की भी एक सीमा है और जब प्रकृति क्रोधित हो अपनी विनाशलीला दिखाना शुरू करती है तो वह किसी का भी ख्याल नहीं करती। इस कारण जनधन की अपार हानि होती है।

(ख) 'तीसरी कसम एक कलात्मक फ़िल्म थी।' इस फ़िल्म के कथानक में कहीं भी उथलापन नहीं दिखाई देता बल्कि यह भावनाओं और संवेदनाओं में पिरोया गया एक ऐसा प्रवाह है जो दर्शकों की रुचि को परिष्कृत करता है। फ़िल्म में कहीं भी धन कमाने की लालसा का घटियापन या सस्तापन नहीं है बल्कि अगर कुछ है तो सिर्फ़ हीराबाई और हीरामन के प्रेम की महानता का चित्रण करती हुई दिल छू लेने वाली बारीकियाँ और सजीव अभिनय। सचमुच यह फ़िल्म भावुकता, संवेदना और मार्मिकता से भरी हुई सेल्युलाइड पर लिखी गई एक कविता है।

(ग) गीत गाती वामीरो को देखकर तताँरा अपनी सुध-बुध खो बैठा। उधर आकर्षक व्यक्तित्व के स्वामी तताँरा को देखकर वामीरो भी अनायास ही उसके प्रेम में पड़ गई जबकि दोनों यह जानते थे कि उनके कबीले की बरसों से चली आ रही परम्परा और रूढ़ियाँ उनके प्रेम को कभी भी फलने-फूलने नहीं देंगी। लेकिन लोगों के समझाने के बावज़ूद भी दोनों एक-दूसरे से प्रेम करते रहे। इस बात से यह सिद्ध होता है कि प्रेम रूढ़ियों और परम्पराओं के बन्धन को नहीं मानता।

14. **(क) बचाना है दुनिया को भूमण्डलीय ऊष्मीकरण (ग्लोबल वार्मिंग) से**
21वीं शताब्दी के विकास के बढ़ते चरण ने एक ओर दुनिया को असंख्य सुविधाएँ दीं हैं वहीं दूसरी ओर 'ग्लोबल वार्मिंग' नाम का एक खतरा भी उत्पन्न कर दिया है। 'ग्लोबल वार्मिंग' एक ऐसा गम्भीर विषय है जिस पर उच्च स्तरीय से लेकर प्राइमरी कक्षाओं तक लेख लिखे जा रहे हैं। वायुमण्डल में ग्रीन हाउस गैस; जैसे; मिथेन, कार्बन डाइऑक्साइड, क्लोरोफ्लोरोकार्बन आदि के बढ़ने के कारण पृथ्वी के औसत तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है ओर इसी बढ़ोतरी को 'ग्लोबल वार्मिंग' कहा जाता है। इसके फल-स्वरूप शताब्दियों से जमे हिमखण्ड पिघल रहे हैं, समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है और धीरे-धीरे वनस्पतियों और जीवों के साथ-साथ मनुष्यों पर भी गम्भीर रूप से असर पड़ रहा है। 21वीं सदी की शुरूआत के बाद से ही तूफ़ान, चक्रवात, सूखा, बाढ़ आदि की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है। पिछले कुछ वर्षों से धरती के औसत तापमान में लगभग 1.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो रही है। ग्लोबल वार्मिंग के

जो परिणाम अभी हमें बहुत कुछ छोटे पैमाने पर महसूस हो रहे हैं वे निकट भविष्य में और भी भीषण होते जाएँगे, जिससे निपटने की ताकत सिर्फ़ इंसानों के हाथ में है। अगर हम सभी मिलकर कदम उठाते हैं तो कल हमारा भविष्य उज्ज्वल होगा। वैसे तो इससे निपटने के लिए दुनिया भर में कई नीतियाँ बनाई गई हैं लेकिन अगर समय रहते हम जागरूक नहीं हुए तो हमें ग्लोबल वार्मिंग के गम्भीर परिणामों को भुगतना होगा। इसके गम्भीर परिणामों को दूर करने की दिशा में सबसे पहला और सबसे प्रभावी कदम अधिक-से-अधिक वृक्षारोपण हो सकता है, साथ ही साथ वनों के अन्धा-धुन्ध काटने पर भी प्रतिबन्ध लगाना होगा। यह समाधान ही हरित आवरण कार्बन के चक्र को सन्तुलित कर सकेगा और तभी धरती से ग्लोबल वार्मिंग का खतरा दूर हो सकेगा।

(ख) भारत की सांस्कृतिक एकता

किसी भी देश को एक सशक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित करने में सबसे बड़ी भूमिका वहाँ की संस्कृतियों का एकाकार होना है और इस परिप्रेक्ष्य में भारत का उदाहरण दुनिया भर में अनूठा है। भारत की सांस्कृतिक एकता का अर्थ दो-तीन या चार धार्मिक आस्थाओं से जुड़ी संस्कृति का मिलन ही नहीं है बल्कि एक ऐसी मिश्रित संस्कृति का उदय है जिसमें अलग-अलग मतों को मानने वाले मतान्तर होते हुए भी सांस्कृतिक दृष्टि से एक सूत्र में बन्धे हैं। उत्तर से दक्षिण तक और पूर्व से पश्चिम तक भारतीय संस्कृति विभिन्नताओं में एकता के इन्द्रधनुषी रंग की अनुपम छटा बिखेरती है। अलग-अलग भौगोलिक भूखण्डों और जलवायु में बसा हुआ यह देश, जिसमें 22 भाषाएँ बोली जाती हैं, जिसके अलग-अलग प्रदेशों के अलग-अलग त्योहार, खान-पान, रीति-रिवाज़ और वेश-भूषा हैं फिर भी इस देश की आत्मा में एक-दूसरे के प्रति सम्मान और उदारता है। यह भावनात्मक सम्बन्ध इसकी सांस्कृतिक एकता की आधारशिला है। जब भी इस देश की एकता और अखण्डता पर कोई भी प्रश्न-चिन्ह खड़ा हुआ है तो इस देश के सभी निवासियों ने अपने स्वार्थ को पीछे रखकर देश को सशक्त बनाने में योगदान दिया है। इस देश की संस्कृति ने हमेशा अपने निवासियों को सहिष्णु बनना सिखाया है, अनेकता में एकता का दर्शन दिया है। यहाँ आदिकाल से वसुधैव कुटुम्बकम की परम्परा चलती आ रही है। भारत की सांस्कृतिक एकता ही इस देश की संस्कृति का रक्षा-कवच है।

(ग) अन्तर्राष्ट्रीय फलक पर चमकता सितारा— भारत हमारा

प्राचीन काल से ही भारत ने विश्व फलक पर विश्व गुरु की भूमिका निभाई है और हाल के दशकों में भी एक प्रमुख महाशक्ति के रूप में विश्व पर इसका प्रभाव नज़र आने लगा है। हमारा देश जिस तरह से आर्थिक, वैज्ञानिक, राजनीतिक, सैन्य और शैक्षिक क्षेत्र में ऊँचाईयाँ हासिल कर रहा है कि यह स्पष्ट तौर पर नज़र आने लगा है कि भारत धीरे-धीरे एशिया की महाशक्तियों में से एक बनता जा रहा है जिसका प्रमुख कारण इसके भौतिक संसाधनों में लगातार हो रही वृद्धि के साथ-साथ सॉफ्ट पावर का विशाल खजाना भी है। योग और क्रिकेट जैसे वैश्विक ब्राण्डों ने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की पहचान को मज़बूत स्थिति दी है। इसके अतिरिक्त भारतीय जीवन मूल्य का सार नैतिकता और धर्म के अंतरंग सम्बन्ध के बीच में बसता है। नैतिक नियम ही लोगों के सामाजिक और आध्यात्मिक जीवन को संचालित करते हैं। भारतीय सभ्यता और संस्कृति में नैतिक शास्त्रों का एक ऐसा विशाल भण्डार है जिसने युगों तक विश्व का मार्गदर्शन किया है। भारतीय सिर्फ़ व्यक्तिगत नैतिकता में ही विश्वास नहीं करते बल्कि सामाजिक नैतिकता उनके समाज की आधारशिला है जो व्यवस्था और सद्भाव बनाए रखने के लिए बहुत आवश्यक है। प्राचीनता और नवीनता से समृद्ध भारतीय संस्कृति विश्व में अपनी पहचान को लगातार मज़बूत करती जा रही है। सभी बड़े देश इसे एक ऐसी उभरती हुई महाशक्ति की तरह देख रहे हैं जो भविष्य में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सबको साथ लेकर चलने की कोशिश करेगा और गम्भीर मुद्दों को हल करने में एक सकारात्मक भूमिका निभा सकेगा।

15. (क)

सेवा में,
अध्यक्ष,
जल बोर्ड निगम,
दिल्ली
दिनांक: XXXX
विषय: जल की सुचारू आपूर्ति हेतु प्रार्थना पत्र
महोदय,

मैं आपका ध्यान रोहिणी, दिल्ली में अनियमित जल आपूर्ति की ओर आकर्षित करना चाहता/चाहती हूँ। हमारे मोहल्ले में केवल कुछ समय के लिए ही नलों में पानी आता है जिससे हमारे दैनिक क्रियाकलाप में बाधा होती है। कई बार तो दो-दो दिन तक पानी की आपूर्ति नहीं होती है। पानी की इस अनियमित आपूर्ति के कारण क्षेत्र के नागरिकों में बहुत रोष है। इसके पूर्व भी हमने स्थानीय अधिकारियों को इस समस्या से अवगत कराया है लेकिन स्थिति में अभी तक कोई सुधार नहीं हुआ है।

अत: आपसे प्रार्थना है कि इस क्षेत्र में जल आपूर्ति की समुचित व्यवस्था करने हेतु उचित कदम उठाने की कृपा करें। मैं और मेरा पूरा मोहल्ला सदैव आपके आभारी रहेंगे।

धन्यवाद सहित
भवदीय/भवदीया
शौर्य/शुचि
रोहिणी, दिल्ली

(ख) अथवा

सेवा में,
प्रधानाचार्य महोदय,
मॉडल स्कूल,
नई दिल्ली
दिनांक: XXXX
विषय: क्रिकेट मैच के अभ्यास के लिए एक सप्ताह के अवकाश हेतु प्रार्थना पत्र

महोदय,
सविनय निवेदन है कि मेरा चयन ज़िला स्तरीय क्रिकेट टीम में कैप्टन के रूप में हुआ है। मेरी टीम आगामी महीने की 15 तारीख को गाजियाबाद ज़िले के साथ एक मैच खेलने जाने वाली है अत: इस मैच को खेलने और उसके लिए अभ्यास करने हेतु मुझे एक सप्ताह का अवकाश प्रदान करने की कृपा करें। इसके लिए मैं सदैव आपका आभारी रहूँगा/रहूँगी।
धन्यवाद सहित
आपका आज्ञाकारी छात्र/आज्ञाकारिणी छात्रा
भावुक/अनोखी
कक्षा: 10 'ब'

खण्ड-'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर)

3. (i) विकल्प (a) सही है।
व्याख्या—'चेहरा' पदबन्ध का अन्तिम अथवा शीर्ष शब्द है और अन्य सभी पद उस पर आश्रित हैं, इसलिए दिया गया उदाहरण संज्ञा पदबन्ध का है।
(ii) विकल्प (d) सही है।
व्याख्या—'मज़बूत और बड़ा-सा' यह शब्द ताले की विशेषता बताता है और रेखांकित वाक्यांश विशेषण पदबंध है।
(iii) विकल्प (c) सही है।
व्याख्या—रेखांकित वाक्यांश 'देख लिया था' मुख्य क्रिया होने के कारण क्रिया पदबन्ध है।
(iv) विकल्प (a) सही है।
व्याख्या—साधु पदबन्ध का अन्तिम अथवा शीर्ष शब्द है और 'ठाकुरबारी के एक वयोवृद्ध' वाक्यांश उसकी विशेषता है।
(v) विकल्प (c) सही है।
व्याख्या—'खोल' क्रिया शब्द है और फाटक धीरे से खोला गया अत: धीरे शब्द क्रिया की विशेषता बता रहा है।

4. (i) विकल्प (d) सही है।
व्याख्या—एक विषय व एक क्रिया होने के कारण यह वाक्य सरल वाक्य का उदाहरण सटीक व उपयुक्त है।
(ii) विकल्प (c) सही है।
व्याख्या—पहला उपवाक्य का अर्थ दूसरे उपवाक्य पर निर्भर है।
(iii) विकल्प (b) सही है।
व्याख्या—उनकी तलाशी पहले ली गई—वाक्य का अर्थ वाक्य के पहले अंश पर निर्भर करता है।
(iv) विकल्प (c) सही है।
व्याख्या—'इसलिए' योजक शब्द से वाक्य को जोड़ा गया है।
(v) विकल्प (a) सही है।
व्याख्या—सरल वाक्य क्योंकि वाक्य का कर्ता एक और क्रिया भी एक संयुक्त वाक्य दो उपवाक्यों को अन्यथा योजक शब्द से जोड़ा गया।

खण्ड-'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर)

13. (क) फ़िल्म 'तीसरी कसम' की चुनौतियाँ भावना प्रधान फ़िल्म होने के कारण इसे खरीददार नहीं मिल रहे थे। आम आदमी इस फ़िल्म की संवेदना को समझने में सक्षम नहीं था अत: इससे धन कमाने की अपेक्षा भी बहुत कम थी।

(ख) तताँरा वामीरो से प्रेम करता है। वह उससे विवाह करना चाहता है, पर गाँव के लोग उसे पसन्द नहीं करते थे। वे इस विवाह का विरोध करते हैं। वामीरो लपाती ग्राम की थी और तताँरा पासा ग्राम का। गाँव के रीति रिवाज़ों के अनुसार विवाह के लिए दोनों को एक ही गाँव का होना आवश्यक था। किसी ने उनके गहरे प्रेम को महत्त्व नहीं दिया। अन्त में दोनों को अपनी जान देनी पड़ती है। इसलिए जब रूढ़ियाँ बन्धन बन बोझ बनने लगे तो उनका टूट जाना ही अच्छा है क्योंकि ऐसी रूढ़ियाँ भलाई करने की जगह पर समाज का नुकसान करती हैं।

(ग) 'कलकत्ता के नाम पर कलंक' इस बात के लिए था कि वहाँ के लोगों में देशभक्ति की कमी है और आज़ादी के आन्दोलन में उन्होंने भाग नहीं लिया। 26 जनवरी 1931 को हुए स्वतन्त्रता संग्राम में कलकत्ता वासियों ने पूरे जोश के साथ भाग लिया और अपने माथे पर लगे कलंक को धो दिया।

14. (क) ''प्रकृति पर अगर गाज गिरती रहेगी
समझ लो मनुष्यता रहेगी''
मानव प्रकृति का अभिन्न अंग
मानव प्रकृति का अभिन्न अंग है। प्रकृति के बिना जीवन कल्पना भी नहीं की जा सकती। प्रकृति हम भोजन, पानी, हवा और आश्रय प्रदान करती है। प्रकृति के साथ तालमेल बनाकर ही हम एक स्वस्थ और खुशहाल जीवन जी सकते हैं।
प्रकृति को केवल संसाधनों का भंडार नहीं मानना चाहिए। हमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करनी चाहिए और उसकी रक्षा के लिए प्रयास करना चाहिए। जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधन का अत्यधिक दोहन जैसी समस्याओं से निपटने के लिए हम प्रकृति के साथ तालमेल बनाना होगा।
सतुंलन कैसे बनाएँ—
- **पर्यावरण सरंक्षण—** हमें पर्यावरण को स्वच्छ और सुरक्षित रखने के लिए प्रयास करने होंगे। हमें पेड़-पौधे लगाने, पानी बचाने, और ऊर्जा का सदुपयोग करने की आवश्यकता है।
- **प्रकृतिक ससांधनों का दुरुपयोग—** हम प्रकृतिक संसाधनों का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। हमें केवल उतना ही उपयोग करना चाहिए जितनी आवश्यकता हो।
- **प्रदूषण—** हमें प्रदूषण को कम करने के लिए प्रयास करने होंगे। हमें वाहनों का कम उपयोग करना चाहिए, प्लास्टिक का उपयोग कम करना चाहिए, और कूड़े को उचित तरीके से निपटाना चाहिए।

तापमान वृद्धि में रोक—

- **हरितगृह गैसों का उत्सर्जन कम करना—** तापमान वृद्धि को रोकने के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण कदम है। हरितगृह गैसों का उत्सर्जन कम करना। हमें जीवाश्म ईंधन का उपयोग कम करना चाहिए और नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों का उपयोग करना चाहिए।
- **वनीकरण—** वनीकरण तापमान वृद्धि को रोकने का एक महत्वपूर्ण तरीका है। पेड़-पौधे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं, जो एक प्रमुख हरितगृह गैस है।
- **जागरूकता फैलाना—** हमें तापमान वृद्धि के बारे में लोगों को जागरूक करना होगा। लोगों को इस समस्या के बारे में शिक्षित करना और उन्हें इस समस्या से निपटने के लिए प्रेरित करना महत्त्वपूर्ण है।

निष्कर्ष— प्रकृति के साथ तालमेल बनाकर और तापमान वृद्धि को रोकने के लिए प्रयास करके हम अपने जीवन और आने वाली पीढ़ियों के जीवन को बेहतर बना सकते हैं।

(ख) मैं और मेरा देश—

भारत मेरा देश है और मुझे इस पर गर्व है। यह रंगीन धरती मेरी जन्मभूमि है, जिसकी मिट्टी की खुशबू मुझे हमेशा अपनी ओर खींचती है। मेरा देश भारत, मेरे लिए सिर्फ़ एक भौगोलिक सीमा नहीं है, बल्कि यह मेरी पहचान, मेरी जड़ें और मेरा गौरव है। इस धरती पर जन्म लेना और यहाँ पलना-बढ़ना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

भारत की विविधता ही इसकी सबसे बड़ी खूबसूरती है। हिमालय की ऊँचाइयों से लेकर कन्याकुमारी के समुद्र तट तक, रेगिस्तानों की गर्मी से लेकर जंगलों की शीतलता तक, हर क्षेत्र अपनी संस्कृति, भाषा और परंपराओं का अनूठा संगम प्रस्तुत करता है। यही विविधता हमें "अनेकता म एकता" का पाठ पढ़ाती है।

मेरा देश इतिहास, कला और संस्कृति का खजाना है। प्राचीन मंदिर, ऐतिहासिक किले और शानदार स्मारक भारत के गौरवशाली अतीत की गवाही देते हैं। यहाँ की परंपराएँ, त्योहार और लोककलाएँ सदियों से चली आ रही हैं, जो हमें अपनी जड़ों से जोड़े रखती हैं।

हालाँकि, भारत को अभी भी विकास की राह पर कई चुनौतियों का सामना करना है। गरीबी शिक्षा की कमी और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं से निपटना आवश्यक है। लेकन, मुझे अपने देशवाासियों पर पूरा भरोसा है कि हम मिलकर इन चुनौतियों का सामना करेंगे और भारत को एक उन्नत और समृद्ध राष्ट्र बनाएँगे।

मैं अपने देश पर गर्व करता हूँ और इसके विकास में अपना योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हूँ। मैं चाहता हूँ कि भारत दुनिया में एक शांतिप्रिय और सभ्य देश के रूप में जाना जाए।

मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में भारत न केवल आर्थिक रूप से मज़बूत होगा, बल्कि वैज्ञानिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में भी अग्रणी होगा। मैं अपने देश का एक ज़िम्मेदार नागरिक बनने का प्रयास करूँगा और इसे गौरवान्वित करने के लिए हर संभव प्रयास करूँगा।

(ग) व्यायाम की ओर बढ़ते कदम

व्यायाम एक स्वस्थ जीवन जीने के लिए आवश्यक है। यह न केवल हमारे शरीर को मज़बूत बनाता है, बल्कि हमारे मन को भी स्वस्थ रखता है। व्यायाम करने से कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं, जिनमें शामिल हैं—

- **वजन कम करना—** व्यायाम करने से शरीर में कैलोरी जलती है, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।
- **हृदय रोग का खतरा कम करना—** व्यायाम करने से हृदय मज़बूत होता है और रक्तचाप कम होता है, जिससे हृदय रोग का खतरा कम होता है।
- **मधुमेह का खतरा कम करना—** व्यायाम करने से शरीर में रक्त शर्करा का स्तर नियंत्रित होता है, जिससे मधुमेह का खतरा कम होता है।
- **हड्डियों को मज़बूत बनाना—** व्यायाम करने से हड्डियों का घनत्व बढ़ता है, जिससे हड्डियों को मज़बूत बनाने में मदद मिलती है।
- **मानसिक स्वास्थ्य में सुधार—** व्यायाम करने से तनाव और चिंता कम होती है और मनोदशा में सुधार होता है।

योग और व्यायाम दोनों ही स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद हैं। योग एक प्राचीन भारतीय अभ्यास है जो शरीर, मन और आत्मा को एकजुट करने में मदद करता है। योगासनों से शरीर को लचीलापन और ताक़त मिलती है, जबकि प्राणायाम से मन को शांति और एकाग्रता प्राप्त होती है।

व्यायाम और योग की ओर लोगों की रुचि बढ़ रही है। लोग अब समझ रहे हैं कि स्वस्थ जीवन जीने के लिए व्यायाम और योग आवश्यक हैं। कई लोग अब नियमित रूप से व्यायाम और योग करते हैं।

व्यायाम के कई लाभ हैं। व्यायाम करने से शरीर को कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं, जैसे कि वजन कम करना, हृदय रोग का खतरा कम करना, मधुमेह का खतरा कम करना, हड्डियों को मज़बूत बनाना और मानिसक स्वास्थ्य में सुधार करना। व्यायाम करने से मन को भी शांति और एकता प्राप्त होती है।

व्यायाम और योग को अपने जीवन म शामिल करना बहुत महत्त्वपूर्ण है। व्यायाम और योग करने से हम स्वस्थ और खुशहाल जीवन जी सकते हैं।

15. (क)

पत्र लेखन

सेवा में,
निदेशक,
वन विभाग
करनाल- 54

विषय: वृक्षों के उचित रखरखाव के लिए अनुरोध

माननीय महोदय,

मैं, निखिल, आपके क्षेत्र का एक निवासी हूँ। मैं आपके ध्यान में लाना चाहता हूँ कि हमारे क्षेत्र में लगे वृक्षों की

स्थिति बहुत खराब है। मैं अपने क्षेत्र में लगे वृक्षों के उचित रखरखाव के लिए अनुरोध करना चाहता हूँ। पिछले कुछ समय से, हमारे क्षेत्र में लगे वृक्षों की स्थिति खराब होती जा रही है। इन वृक्षों को पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा है, जिसके कारण वे सूख रहे हैं। यदि इन वृक्षों की उचित देखभाल नहीं की गई, तो वे मर जाएँगे। वृक्ष हमारे पर्यावरण के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण हैं। वे हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं और प्रदूषण को कम करने में मदद करते हैं। इसलिए, इनकी देखभाल करना हमारा कर्तव्य है।

मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि आप इस मामले पर ध्यान दें और वृक्षों के उचित रखरखाव के लिए आवश्यक कदम उठाएँ। मैं आपको कुछ सुझाव देना चाहता हूँ–

- वृक्षों को नियमित रूप से पानी दिया जाना चाहिए।
- वृक्षों के आसपास मिट्टी को उपजाऊ बनाया जाना चाहिए।
- वृक्षों को कीटों और रोगों से बचाने के लिए आवश्यक उपाय किए जाने चाहिए।
- वृक्षों की नियमित रूप से छँटाई की जानी चाहिए।

मुझे विश्वास है कि आप इन सुझावों पर ध्यान देंगे और वृक्षों की उचित देखभाल के लिए आवश्यक कदम उठाएँगे।

धन्यवाद,
भवदीय,
निखिल
दिनांक: 21/02/20XX

(ख) अथवा

सेवा में,
परिवहन प्रबंधक,
करनाल परिवहन विभाग
करनाल- 54

विषय: बस कंडक्टर के सद्व्यवहार की प्रशंसा

महोदय,

मैं, (ओज), आपके क्षेत्र का एक निवासी हूँ। मैं इस पत्र के माध्यम से आपके क्षेत्र में कार्यरत बस कंडक्टर रामलाल जी के सदव्यवहार की प्रशंसा करना चाहता हूँ। दिनांक 20/02/20XX को, मैं बस संख्या 8079 में यात्रा कर रहा था। यात्रा के दौरान, मैं अपने प्रमाण पत्रों की फाइल भूल गया। जब मैं बस से उतर गया, तो मुझे इसकी याद आई।

श्री रामलाल जी का व्यवहार बहुत ही सराहनीय था। उन्होंने न केवल मेरी फाइल ढूंढी, बल्कि उन्होंने मुझे सुरक्षित रूप से वापस भी लौटा दी। वे बहुत ही ईमानदार और ज़िम्मेदार कर्मचारी हैं। मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि आप रामलाल जी के सद्व्यवहार के लिए उन्हें पुरस्कृत करें। उनके जैसे कर्मचारी आपके संगठन के लिए एक सम्मान की बात है।

धन्यवाद,
भवदीय,
ओज
दिनांक: 21/02/20XX

Outside Delhi Set-1 **4/2/1**

खण्ड-'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर)

1. (i) विकल्प (d) सही है।

व्याख्या—आज पूरी दुनिया जल की कमी से जूझ रही है और वह दिन दूर नहीं जब पानी की कमी का सामना हम सबको करना पड़ेगा। यह जल संकट इतना बढ़ जाएगा कि हम अनुमान भी नहीं लगा सकते। इसी चिंता से लेखक परेशान है।

(ii) विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—पेड़ काटे जाने के कारण धरती का तापमान बढ़ रहा है क्योंकि इनके काटने से सूरज की किरण सीधी धरती पर पड़ती हैं जिससे बड़े-बड़े हिमनद या ग्लेशियर तेज़ी से पिघल कर नीचे आने लगते हैं।

(iii) विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—लेखक कहता है कि यदि जंगल न काटे जाएँ और हरियाली को बढ़ाया जाए पेड़ लगाने को एक दूसरे को प्रोत्साहित किया जाए तो धरती को बुख़ार नहीं होगा अर्थात् वह तपेगी नहीं और उसका तापमान संतुलित रहेगा।

(iv) विकल्प (b) सही है।

(v) विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—नदियाँ मैला ढोने वाली इसलिए बन गईं हैं क्योंकि आज हम इनमें बेधड़क कूड़ा और गंदगी डाल रहे हैं बिना यह विचारे कि हमारे इस कर्म से इनका पानी प्रदूषित हो जाएगा।

2. (i) विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—बात का अर्थ प्रत्येक व्यक्ति के लिए बदल जाता है क्योंकि हर एक को अपनी सोच और कर्म के अनुसार ही बात समझ आती है और वह उसी के हिसाब से जवाब भी देता है।

(ii) विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—लोगों के बीच विवाद का सबसे बड़ा कारण यही है कि हम एक-दूसरे की बात को नहीं समझ पाते और उसका अर्थ भी गलत निकाल लेते हैं।

(iii) विकल्प (b) सही है।

व्याख्या—शिष्य ने बुद्ध से पूछा कि क्या कारण है लोग आपस में झगड़ते और विवाद या बहस करते हैं। जिस कारण आपसी मनमुटाव की नौबत भी आ जाती है।

(iv) विकल्प (b) सही है।

व्याख्या—एक गृहस्थ व्यक्ति जब कहीं जाता है और उसे लौटने में देर हो जाती है तो उसे सबसे बड़ी चिंता समय से घर पहुँचने और कोई सवारी या वाहन मिलने की होती है जिससे वह वक्त पर घर चला जाए।

(v) विकल्प (d) सही है।

व्याख्या—जब हम किसी की बात सुनें तो यह आवश्यक है कि हमारा मन शांत और विचार सकारात्मक हों तभी हम बातों का सही मतलब निकाल सकते हैं। दूसरा यह कि हमारे अंदर उन बातों को सुनने और समझने की क्षमता भी हो।

3. (i) **विकल्प (b) सही है।**

व्याख्या—यहाँ 'रूखा-सूखा' पदबंध खाने की विशेषता प्रकट कर रहा है। अत: वाक्य में विशेषण पदबंध है।

(ii) **विकल्प (c) सही है।**

व्याख्या—यहाँ 'पेटू और चटोरे' शब्द लोगों की विशेषता बता रहे हैं। इसलिए यहाँ विशेषण पदबंध है।

(iii) **विकल्प (b) सही है।**

व्याख्या—यहाँ 'बहला-फुसलाकर' शब्द क्रिया की विशेषता प्रकट कर रहे हैं अत: यहाँ क्रिया-विशेषण पदबंध है।

(iv) **विकल्प (a) सही है।**

व्याख्या—यहाँ 'कहते-सुनते' पदबंध वाक्य में होने वाली क्रिया का बोध करा रहे हैं अत: यहाँ क्रिया पदबंध है।

(v) **विकल्प (c) सही है।**

व्याख्या—इस वाक्य में 'बुटन सिंह से उन लोगों ने' संज्ञा पदबंध की विशेषता प्रकट हो रही है अत: यहाँ संज्ञा पदबंध है।

4. (i) **विकल्प (b) सही है।**

व्याख्या—रचना की दृष्टि से सरल वाक्य है क्योंकि इसमें एक मुख्य क्रिया है।

(ii) **विकल्प (c) सही है।**

व्याख्या—यहाँ मिश्र वाक्य है क्योंकि जब बच्चे खिलखिलाकर हँसे तो वह मर गया।

(iii) **विकल्प (b) सही है।**

(iv) **विकल्प (b) सही है।**

व्याख्या—यहाँ मिश्र वाक्य है क्योंकि हेडमास्टर जी थे और लड़के को घर पढ़ाने जाते थे।

(v) **विकल्प (d) सही है।**

व्याख्या—यहाँ दो वाक्यों को आपस में जोड़कर वाक्य बनाया गया है यहाँ संयुक्त वाक्य है।

5. (i) **विकल्प (d) सही है।**

व्याख्या—जहाँ समास के पूर्वपद में संप्रदान की विभक्ति 'के लिए' का लोप हो जाता है, वहाँ सम्प्रदान तत्पुरुष होता है। 'शिवालय' अर्थात् 'शिव के लिए' आलय। यहाँ 'के लिए' का लोप होने के कारण तत्पुरुष समास है।

(ii) **विकल्प (a) सही है।**

व्याख्या—इस समस्त पद का विग्रह करने के लिए 'से' का प्रयोग किया गया है।

(iii) **विकल्प (c) सही है।**

(iv) **विकल्प (b) सही है।**

व्याख्या—जब सामासिक पद के दोनों पद गौण हों और दोनों पद मिलकर किसी तीसरे पद की प्रधानता बताएँ वहाँ बहुव्रीहि समास होता है।

(v) **विकल्प (b) सही है।**

व्याख्या—पद का पूर्व पद संख्यावाचक विशेषण हो और समूह या समाहार का बोध कराए वहाँ द्विगु समास होता है।

6. (i) **विकल्प (d) सही है।**

व्याख्या—तीर मारना मुहावरे का अर्थ होगा किसी चीज़ पर निशाना साधना। इसलिए यहाँ विकल्प 'd' सही है।

(ii) **विकल्प (b) सही है।**

व्याख्या—दाँतों तले पसीना आने का अर्थ होगा अत्यधिक परिश्रम करना अत: यहाँ 'b' विकल्प सही है।

(iii) **विकल्प (c) सही है।**

व्याख्या—किसी असंभव काम को करने के लिए जी तोड़ कोशिश करने को लोहे के चने चबाना कहते हैं अत: विकल्प 'c' सही है।

(iv) **विकल्प (b) सही है।**

व्याख्या—बहुत अधिक डाँट पड़ने को घुड़कियाँ खाना भी कहते हैं अत: विकल्प b सही है।

(v) **विकल्प (a) सही है।**

(vi) **विकल्प (d) सही है।**

व्याख्या—कोई ऐसा कार्य कर बैठना जिससे सबके सामने स्थिति लज्जामय हो जाए तो कहा जाता है कि इस काम को करने से पहले तुम चुल्लू भर पानी में क्यों न डूब गए। इसलिए विकल्प d सही है।

7. (i) **विकल्प (d) सही है।**

व्याख्या—कवि कहता है कि एक हिरण जो अपने अंदर विद्यमान कस्तूरी को नहीं पहचान पाता और उससे फूटती सुगंध को यहाँ-वहाँ ढूँढता रहता है। उसी प्रकार मनुष्य मन में बसे ईश्वर को नहीं पहचान पाता और संसार में उसे पाने की इच्छा में मारा-मारा फिरता है। वह नहीं जानता कि ईश्वर तो कण-कण में विद्यमान हैं।

(ii) **विकल्प (c) सही है।**

व्याख्या—कवि का अभिप्राय है कि जब तक हम सांसारिकता की बातों में उलझे रहेंगे ईश्वर को नहीं पा सकते। लोभ, लालच, झूठ और दुनियादारी को छोड़कर ही हम हरि अर्थात् भगवान् की प्राप्ति कर सकते हैं।

(iii) **विकल्प (b) सही है।**

व्याख्या—कबीर कहते हैं कि जब तक हम सांसारिकता का त्याग अर्थात् मन में बसे अवगुणों का त्याग नहीं करेंगे तब तक ईश्वर हमारे मन में निवास नहीं करेगा।

(iv) **विकल्प (a) सही है।**

व्याख्या—पंक्ति में 'दीपक' शब्द प्रभु प्रेम के प्रकाश का प्रतीक है। जब मन में प्रभु के प्रेम का दिया जल जाता है तो सारे अंधकार मिट जाते हैं।

(v) **विकल्प (c) सही है।**

व्याख्या—ईश्वर कण-कण में विद्यमान है लेकिन हम उसको इसलिए नहीं देख पाते क्योंकि हम सांसारिक मोह-माया में ही उलझे रहते हैं।

8. (i) **विकल्प (b सही है।**

व्याख्या—कवि कहता है कि मानव-जीवन तभी सार्थक अर्थात् सफ़ल है जब वह स्वयं के साथ दूसरों का भी भला चाहे। उसके अंदर 'मैं' की जगह 'हम' की भावना हो।

(ii) **विकल्प (b) सही है।**

व्याख्या—कवि कहता है कि जो भी शत्रु धरती माता की पवित्रता नष्ट करने का प्रयास करेगा उसके हाथ काट दिए जाएँगे।

9. **(i) विकल्प (c) सही है।**

व्याख्या—अब संसार टुकड़ों में इसलिए बंट गया है क्योंकि हमारे अंदर से 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना समाप्त होती जा रही है और इसकी जगह स्वार्थ और लालच की भावना ने हमारे मन में निवास कर लिया है।

(ii) विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—क्योंकि अब बड़े-बड़े घरों का रिवाज़ ख़त्म हो रहा है और उसका स्थान छोटे-छोटे फ़्लैटों ने ले लिया है। कह सकते हैं कि फ़्लैट- संस्कृति आम होती जा रही है।

(iii) विकल्प (d) सही है।

(iv) विकल्प (b) सही है।

व्याख्या—आज हम जिन प्राकृतिक आपदाओं का सामना कर रहे हैं उनका सबसे बड़ा कारण मनुष्य का लालच है क्योंकि मानव ही है जो पेड़ों को काटकर और समुद्रों को सुखाकर फैक्ट्रियों के लिए ज़मीन तैयार कर रहा है। जिससे बाढ़, भूकंप जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

(v) विकल्प (d) सही है।

व्याख्या—क्योंकि मानव इतनी तेज़ी से पेड़ काट-काटकर नई-नई इमारतें और फैक्ट्रियाँ बना रहा है कि वह यह भी नहीं सोचता कि इन पेड़ों पर बसेरा करने वाले पंछी कहाँ जाएँगे और फैक्ट्रियों से निकलने वाला धुआँ उनके ऊपर क्या प्रभाव डालेगा। इसी प्रदूषण से बचने के लिए पक्षियों ने अपना ठिकाना छोड़ना शुरू कर दिया है।

10. **(i) विकल्प (d) सही है।**

व्याख्या—त्रासद या दु:खद स्थितियों को इसलिए ग्लोरिफाई किया जाता है ताकि दर्शकों का भावनात्मक रूप से शोषण करके फ़िल्म को सफ़ल किया जा सके।

(ii) विकल्प (b) सही है।

व्याख्या—मुंशी प्रेमचंद की कहानी 'बड़े भाई साहब' में दिखया गया है कि बड़ा भाई अपने छोटे भाई को पढ़ने के लिए कहता रहता है। इतना ही नहीं वह उसे खेलने-कूदने से भी मना करता है। इसी डाँट और फटकार के कारण उसकी आँखों में आँसू आ जाते हैं।

खण्ड-'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर)

11. **(क)** "तालीम जैसे महत्त्व के मामले में वह ज़ल्दबाज़ी से काम लेना पसंद न करते थे।" अर्थात् बड़े भाई साहब अपने छोटे भाई से पाँच साल बड़े होने के बाद भी केवल तीन क्लास आगे थे। इसका एक कारण तो यह था कि दोनों भाइयों ने एक साथ ही पढ़ना शुरू किया था और दूसरा सबसे बड़ा कारण था भाई साहब का एक क्लास में दो-दो साल जमे रहना। शायद इसका एक कारण यह हो कि वह अपनी पढ़ाई की बुनियादें मजबूत करके तालीम रूपी महल बनाना चाहते थे। या उन्हें शिक्षा से इतना प्रेम था कि वह एक क्लास को बार-बार पढ़ना चाहते हों।

(ख) फणीश्वरनाथ रेणु की अमर कृति ''तीसरी कसम उर्फ मारे गए गुलफाम" को जब कवि और गीतकार शैलेन्द्र ने परदे पर उतारा तो मानो सिनेमा के गलियारों में एक हलचल-सी मच गई। यह फ़िल्म अपने गीत-संगीत, कलाकारों और उनके द्वारा किए गए अभिनय कहानी, डायलॉग्स आदि के कारण मील का पत्थर साबित हुई। प्रत्येक कलाकार मानो अपने से अमर हो गया। साथ ही यह भी सिद्ध हो गया कि एक उद्देश्य पूर्ण और सार्थक कहानी को परदे पर उतारना कितना कठिन कार्य है। कह सकते हैं कि यह फ़िल्म नहीं बल्कि सेल्यूलाइड पर लिखी एक कविता थी जिसने सबके मन को आत्मविभोर कर दिया था।

(ग) "कारतूस" एकांकी में दिखाया गया है कि कैसे वज़ीर अली नाम का एक भारतीय सिपाही अपने देश को अंग्रेज़ों के चंगुल से छुड़वाना चाहता है। इसके लिए वह अपने प्राणों की भी परवाह नहीं करता और अपने मुट्ठी भर सिपाहियों के साथ अंग्रेज़ों से भिड़ने के लिए जंगलों में फिरता रहता है। उसे पकड़ने के लिए कुछ अंग्रेज़ जंगलों में खेमे डाले पड़े हैं। अंत में दिखाया जाता है। एक सिपाही सूचना देता है कि कोई घुड़सवार इधर ही आ रहा है। कर्नल उस घुड़सवार को खेमे में बुलाकर पूछता है कि तुम क्या चाहते हो? वह कहता है मैं वज़ीर अली को मारने के लिए कुछ कारतूस लेने आया हूँ। कर्नल उसे कारतूस देकर उसका नाम पूछता है। वह जवाब में कहता हैं। ''वज़ीर अली'' और चला जाता। कर्नल का साथी अंदर आकर पूछता है कौन था यह? जवाब में वह कहता है "एक जाँबाज़ सिपाही"।

12. **(क)** कैफ़ी आज़मी की कविता 'कर चले हम फ़िदा' जोश से ओतप्रोत ऐसी रचना है कि जिसको पढ़ और सुनकर मुर्दा से मुर्दा दिल में भी जान पड़ जाए। इस पंक्ति के द्वारा सैनिक जीवन में आने वाली कठिनाइयों की ओर संकेत किया गया है। किस प्रकार एक सैनिक अपनी जान हथेली पर रख कर देश की रक्षा करता है इस रचना के द्वारा यही दर्शाया गया है। किस प्रकार बर्फ़ीली हवाओं और ऊँचे-ऊँचे बर्फ़ से ढके पहाड़ों के बीच रह कर देश के दुश्मनों से हमारी रक्षा करते हैं। उन्हें भूख-प्यास और कोई बीमारी नहीं सताती क्योंकि उनके मन में देशभक्ति कूट-कूट कर भरी होती है। शत्रु की गोली लगने से जख़्मी हों या ठण्ड से शरीर ही क्यों न जम जाए वो दुश्मन ललकारते हुए आगे ही आगे बढ़ते रहते हैं । उनके मन में बस यही जज़्बा होता है कि हमें देश का सिर किसी हाल में झुकने नहीं देना है।

(ख) वीरेन डंगवाल द्वारा लिखित रचना "तोप" में 1857 की एक सुरक्षित रखी तोप के द्वारा अपनी विरासत को संभाल कर रखने की बात की गई है। यदि हमारे पूर्वज हमारे लिए कुछ छोड़कर गए हैं तो हमारा कर्तव्य है कि हम उसे सुरक्षित रखें। क्योंकि उन चीज़ों से उनकी भावनाएँ तो जुड़ी होती ही हैं साथ ही ये चीज़ें उनके संघर्ष की कहानी भी बताती हैं । किस प्रकार उन्होंने इन धरोहरों को

सुरक्षित रखा होगा, उनके मन में यही विचार भी ज़रूर होगा कि उनकी आने वाली नस्लें इन चीज़ों का वैसे ही ख़्याल रखेंगी जैसा उन्होंने रखा था। हमारे पूर्वजों को यह भी लगता होगा ये कि वस्तुएँ आने वाली पीढ़ी को ज़रूर लाभ पहुँचाएँगी। इसलिए हमारा कर्तव्य है कि हम इनको वैसे ही प्रेम और साफ़-सफ़ाई के साथ रखें जैसा कि हमारे पूर्वजों ने रखा था।

(ग) मीरा संत रैदास की शिष्या थीं। इन्होंने सांसारिकता से मुँह मोड़कर वृंदावन में अपना बसेरा कर लिया था। जहाँ ये हर समय कृष्ण-भक्ति में लीन रहने लगी थीं। जहाँ कृष्ण इनके आराध्य थे। मीरा गिरिधर गोपाल को एक ओर पूजती हैं तो दूसरी तरफ़ उन्हें उलाहना देते हुए उनके कर्तव्य भी याद दिलाती रहती हैं। कहती हैं कि जिस प्रकार आपने द्रौपदी चीर हरण के समय उसका चीर अर्थात् कपड़ा लम्बा कर दिया था और दु:शासन के हाथ कपड़ा खींचते-खींचते थक गए थे लेकिन आपने द्रौपदी की लाज की रक्षा की थी। इसी प्रकार प्रहलाद की रक्षा आग में जलने से की थी। कहने का अर्थ है कि जिस प्रकार आपने अपने कर्तव्यों का निर्वाह वहाँ किया उसी प्रकार यहाँ भी कीजिए और मुझे अपने दर्शन देकर मेरे व्याकुल मन को शांत कर दीजिए।

13. (क) महंत द्वारा काका की ज़मीन पर क़ब्ज़ा करने के लिए साम-दाम-दंड और भेद का सहारा लेना और ज़मीन के लिए हरिहर काका का अपहरण करके उनसे ज़बरदस्ती कागज़ों पर अँगूठा लगवाना और ज़मीन को अपने नाम करवा लेना हमें उचित नहीं लगता। कारण है हमारी आस्था। मंदिर, पुजारी या महंत आदि पर हम मन से पूर्ण रूप से विश्वास करते हैं। हमें लगता है कि कोई भी विपत्ति आने पर यही हमें इससे उबार लेंगे और यह विश्वास हमारे मन की जड़ों में कहीं अंदर तक बैठा होता है। और जब इसके विपरीत होता है तो मानो हमारे विश्वास को धक्का लगता है और वह एक छनाके से टूट जाता है। विश्वासघात की यह चोट हरिहर काका सह नहीं सके। और उनका विश्वास सब पर से उठ गया।

(ख) हरिहर काका और टोपी शुक्ला कहानी के आधार पर हम कह सकते हैं कि उम्र का फ़ासला आत्मीय सम्बन्धों में बाधा नहीं बनता क्योंकि जब हम किसी से दिल का एक आत्मीय रिश्ता जोड़ते हैं तो हम यह नहीं देखते कि हमारी उम्र, मज़हब, आर्थिक हैसियत या हमारा रख-रखाव कैसा है। उम्र का फ़ासला अपने मित्र से कितना भी हो यह दोस्ती के रिश्ते में बाधा नहीं बनता क्योंकि सच्ची मित्रता हर लालच और स्वार्थ से परे होती है।

(ग) बच्चों का खेल-कूद में अधिक रुचि लेना माता और पिता को इसलिए बुरा लगता था क्योंकि वे चाहते थे कि बच्चे खेल के साथ पढ़ाई पर भी ध्यान दें। लेकिन यह भी सच है कि पढ़ाई करने के साथ-साथ शारीरिक गतिविधियाँ भी आवश्यक होती हैं और खेल-कूद भाग-दौड़ उसी का हिस्सा हैं। इससे स्वास्थ्य भी बना रहता है। एक नई स्फूर्ति मन-मस्तिष्क को आनंदित कर देती है। कहते भी हैं कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। इसलिए पढ़ाई के साथ खेल-कूद ज़रूरी है। इससे नियम, समय की पाबंदी, भिन्न परिस्थितियों में कैसे स्थिर रहा जाए आदि जीवन-मूल्य सीखने को मिलते हैं।

14. अनुच्छेद लेखन

(क) ध्वनि प्रदूषण

ध्वनि प्रदूषण का अर्थ है किसी भी ध्वनि से होने वाला प्रदूषण। अब चाहे वह लाऊड-स्पीकर हो, मोटर गाड़ियों का शोर हो इत्यादि-इत्यादि। ध्वनि प्रदूषण के कई कारण हो सकते हैं। जनसंख्या का बढ़ना, बाज़ारवाद, जगह-जगह फैक्ट्रियों का लगना आदि। यह प्रदूषित वातावरण कई तरह से मनुष्यों को हानि पहुँचाता है। इतना ही नहीं पशु और पक्षी भी इसके दुष्प्रभाव से नहीं बच पाते। कई तरह की बीमारियाँ हमें घेर लेती हैं; जैसे साँस की बीमारी, धुँधलापन, कई तरह के मस्तिष्क रोग इत्यादि। इसके समाधान की बात की जाए तो हमें सबसे पहले पेड़ काटना बंद करने होंगे। जल की बर्बादी को रोकना होगा। हरियाली बढ़ाने और पेड़ लगाने के लिए सबको प्रोत्साहित करना होगा। मनुष्य को अपने लालच और बेकार की महत्त्वाकांक्षाओं पर लगाम लगानी होगी।

(ख) मेरी प्रिय खिलाड़ी

मेरी प्रिय खिलाड़ी टेनिस स्टार सानिया मिर्ज़ा हैं। इनका जन्म 15 नवम्बर 1986 को हुआ था। सानिया मिर्जा एक मेहनती खिलाड़ी होने के साथ ही समय के महत्त्व को भी जानती हैं। महत्त्वाकांक्षी इतनी कि अपनी पढाई पर तो ध्यान दिया ही साथ ही अपने खेल को भी आगे बढ़ाया। इन्होंने बचपन से ही महेश भूपति के पिता सी के भूपति से टेनिस की ट्रेनिंग लेनी शुरू कर दी थी। इन्होंने अपने खेल से पूरे विश्व में भारत का नाम रोशन कर दिया। इन्होंने 1999 से खेल की शुरुआत की थी। सानिया ने 16 वर्ष की आयु में टेनिस में राष्ट्रीय खेलों में महिलाओं का स्वर्ण पदक जीत कर अपनी उपस्थिति दर्ज़ कराई थी। इनके नाम कई अवॉर्ड दर्ज़ हैं। जैसे- अर्जुन अवॉर्ड, रजत पदक और स्वर्ण पदक आदि। हमें उनके जैसा बनने की इसलिए इच्छा है कि हम भी भारत का नाम संसार के पटल पर चमकाना चाहते हैं। जिस प्रकार सानिया मिर्ज़ा ने साबित कर दिया है कि भारतीय नारी किसी भी मैदान में पीछे नहीं है चाहे वह खेल का मैदान हो, अंतरिक्ष हो या घर की ज़िम्मेदारियाँ। वह सब जगह अपनी उपस्थिति भरपूर तरीके से दर्ज़ करा सकती हैं और कामयाबी के झंडे गाड़ कर आने वाली नस्लों के लिए एक मिसाल बन सकती हैं।

(ग) परहित सरस धर्म नहिं भाई

परहित सरस धर्म नहिं भाई। इसका अर्थ है कि सबके हित का सोचना, अपने साथ-साथ दूसरों की भलाई चाहना ही इंसानियत कहलाती है। हमें यह जीवन केवल अपने लिए ही नहीं अपितु दूसरों का दु:ख दूर करने के लिए भी मिला है। जीवन की सार्थकता इसी में है कि हम परहित की

भावना को अपने मन में लेकर चलें। "अपने लिए जिए तो क्या जिए, तू जीए दिल ज़माने के लिए अर्थात् स्वयं के लिए तो कोई भी कुछ भी कर सकता है। सवाल है कि हम मानवता के लिए कितना और क्या करते हैं। इससे जीवन तो सार्थक होता ही है साथ ही आत्मा भी आनंदित हो उठती है। और परहित की भावना ही इतनी आनंदमयी होती है कि जिसके वर्णन के लिए शब्द कम पड़ जाते हैं। दूसरों की भलाई करने, दूसरों की राह के काँटे चुनते हुए असीम आनंद की प्राप्ति होती है फिर चाहे हमारे हाथ ही क्यों न जख़्मी हो जाएँ। और सबसे बड़ी बात यह कि जब हम किसी का उसके मुश्किल वक़्त में साथ देते हैं और उसके चेहरे पर जो चमक आती है उसके प्रकाश से हमारा जीवन प्रकाशमान हो उठता है और खुशी का यह झरना हर समय हमारे अंदर से फूटता रहता है और कभी सूखता नहीं।

15. पत्र लेखन

(क) सेवा में,

श्रीमान प्रधानाचार्य जी,

राजकीय माध्यमिक विद्यालय,

आगरा।

विषय: सेवानिवृत्त प्राचार्य को स्कूल में होने वाले खेल दिवस के कार्यक्रम में अध्यक्ष पद के लिए आमंत्रित करना

महोदय,

सविनय निवेदन है कि हमारे विद्यालय में वार्षिक खेल दिवस का कार्यक्रम होने जा रहा है और हम इसी विद्यालय के सेवानिवृत्त प्राचार्य को इस समारोह की अध्यक्षता के लिए आमंत्रित करना चाहते हैं अत: आपसे निवेदन है कि हम सबकी ओर से उन्हें आमंत्रित किया जाए। आपकी अति कृपा होगी।

धन्यवाद

आपका आज्ञाकारी शिष्य

रवि

कक्षा 10 [अ]

दिनांक - 1/2/202X

अथवा

(ख) सेवा में,

श्रीमान प्रबंधक जी,

क. ख. ग बोर्ड,

आगरा।

विषय: दसवीं कक्षा की अंक सूची खोने के सन्दर्भ में

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मेरी दसवीं कक्षा की अंक सूची कहीं खो गई है। मेरा रोल नम्बर है 0000000। आपसे निवेदन है कि मुझे द्वितीय अंक सूची जारी कराई जाए। आपकी अति कृपा होगी।

धन्यवाद

आपकी आज्ञाकारी शिष्या

दीपिका

कक्षा दस

दिनांक- 1/3/20XX

16. (क) सूचना लेखन

एस. बी. पब्लिक स्कूल

दिनांक- 7/9/20XX

सभी को सूचित किया जाता है कि हमारे विद्यालय में आपदा प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन होने जा रहा है। इसमें आपदा से सम्बन्धित सभी गतिविधियों के विषय में चर्चा की जाएगी तथा सभी को उनके कार्य के विषय में बताया जाएगा। इसलिए आप सभी कक्षा 9 से कक्षा 12 तक के छात्रों को इस बैठक में मौज़ूद होना ज़रूरी है। आप सभी इस बैठक में भाग लेकर इसको सफ़ल बनाएँ।

अ.ब. स.

सचिव

छात्र कल्याण परिषद

(ख) **अथवा**

सूचना

बी. बी. पब्लिक स्कूल

दिनांक- 8/10/20XX

आप सभी को सूचित किया जाता है कि ग्रीष्मकाल के अवकाश में हमारे विद्यालय में आत्मरक्षा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसमें कक्षा 6 से 12 तक के सभी छात्रों को सम्मिलित होना है ताकि उन्हें सम्बन्धित जानकारी दी जा सके।

अध्यापक

शारीरिक शिक्षा

मेरठ स्कूल

17. (क) विज्ञापन लेखन

हस्तकला प्रदर्शनी

जल्दी आएँ जल्दी पाएँ

हस्तकला प्रेमियों के लिए खुशख़बरी!

आकर्षक दामों पर उपलब्ध हस्त निर्मित वस्तुएँ

समय एवं दिनांक :
प्रातः 9 बजे से सायं 4.00 बजे तक
9 अप्रैल 20XX

सी. सी. विद्यालय, नगला बूढ़ी, आगरा

अथवा

(ख)

एक कार बिकाऊ है

सिर्फ़ 80,000/-

मेरे पिताजी एक कार बेचना चाहते हैं

विशेषताएँ :-

- *80 मॉडल चलती हुई मर्सीडीज कार*
- *रंग सफेद*
- *चारों टायर नए*
- *कार अच्छी स्थिति में*

इच्छुक खरीददार ही संपर्क करें

क.ख. मोहल्ला, अ.ब. नगर। मोबा. 900000XXXX

18. (क) सबसे बड़ा खजाना

एक गाँव में एक किसान रहता था। वह दिन-रात मेहनत करता और अपने परिवार का पेट पालता। गर्मियाँ हों या सर्दी वह किसी मौसम की परवाह न करता और हाड़-तोड़ परिश्रम करता। लेकिन था तो एक इंसान ही। कभी उसका शरीर थक भी जाता और वह बैठकर सोचता कि कैसी ज़िंदगी है? गधों की तरह मेहनत करना और सो जाना। काश! वह कुछ पढ़ा-लिखा होता तो कहीं बाबू बना ऑफिस में बैठा होता। यह सोच मानो उसकी आत्मा को भी थका डालती। क्या फ़ायदा इतनी ज़मीन का जहाँ उसके मन मस्तिष्क को कोई आराम ही नहीं। गाँव वालों का कहना कि वह तो बड़ी ज़ायदाद का मालिक है उसे बिलकुल बेकार लगता। उसने सोच लिया कि वह अपने बच्चों को ज़रूर पढ़ाएगा। ताकि पढ़-लिखकर वह एक आराम और शान का जीवन गुज़ारें। वह जान गया था कि शिक्षा ही सबसे बड़ा ख़ज़ाना है। जिसे न कोई चुरा सकता है न छीन सकता है।

अथवा

(ख) From : abc@gmail-com
To : rfd 6545@gmail-com
दिनांक–02/02/20XX, 7 A.M.
विषय-प्रीतिभोज में सम्मिलित होने हेतु
अभिवादन
हमारे यहाँ गृह प्रवेश का कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है। इस सम्बन्ध में एक भोज की व्यवस्था की गई है। निवेदन है कि सपरिवार इस प्रीतिभोज में सम्मिलित होकर हमें कृतार्थ करें।
धन्यवाद
मुकेश कुमार
मो. नं.98xxxxxx

खण्ड-'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर)

3. (i) विकल्प (b) सही है।
व्याख्या—बुलाने क्रिया की विशेषता बताने के कारण कोने-कोने से साधुओं को क्रिया-विशेषण पदबंध है।
(ii) विकल्प (b) सही है।
व्याख्या—बनाता-खिलाता क्रिया है अत: यह क्रिया पदबन्ध का उदाहरण है।
(iii) विकल्प (c) सही है।
व्याख्या—लोग की विशेषता बतला रहा है प्रगतिशील विचार वाले अत: प्रगतिशील विचार वाले विशेषण पदबंध का उदाहरण है।
(iv) विकल्प (c) सही है।
व्याख्या—एक साफ़-सुथरा कमरा विशेषण पदबन्ध का उदाहरण है क्योंकि कमरा की विशेषता बतला रहा है साफ़-सुथरा।
(v) विकल्प (c) सही है।
व्याख्या—साठ बीघे खेत-संज्ञा पदबन्ध नहीं है क्योंकि खेत की विशेषता बतला रहा है साठ बीघा।

4. (i) विकल्प (b) सही है।
व्याख्या—इस वाक्य में प्रधान वाक्य के अतिरिक्त कोई दूसरा वाक्य संयोजक अव्यय द्वारा नहीं जुड़ा है अत: यह वाक्य सरल वाक्य है।
(ii) विकल्प (c) सही है।
व्याख्या—यह वाक्य मिश्र वाक्य है क्योंकि इसमें प्रधान वाक्य के अतिरिक्त दूसरा उप-वाक्य उसका द्वारा जुड़ा है।
(iii) विकल्प (b) सही है।
व्याख्या—इसमें पहले वाक्य में उप-वाक्य जो से जुड़ा है। इसमें दूसरे वाक्य में कोई उप-वाक्य नहीं है। इसमें तीसरे वाक्य में प्रधान वाक्य के अतिरिक्त उप-वाक्य 'और' अव्यय द्वारा जुड़ा है।
(iv) विकल्प (c) सही है।
व्याख्या—इसमें 'परन्तु' और 'वह' प्रयुक्त हुआ है तथा प्रधान वाक्य के अतिरिक्त उप-वाक्य 'वह' द्वारा जुड़ा है।
(v) विकल्प (c) सही है।
व्याख्या—इसमें प्रधान वाक्य के अतिरिक्त उपवाक्य 'परन्तु' अव्यय द्वारा जुड़ा है अत: यह वाक्य संयुक्त वाक्य है।

5. (i) विकल्प (b) सही है।
व्याख्या—'गिरिधर' बहुब्रीहि समास है क्योंकि इसका विग्रह गिरि को धारण करता है।
(ii) विकल्प (c) सही है।
व्याख्या—चन्द्र और मुखी में उपमा-उपमेय का सम्बन्ध है क्योंकि मुख जो है चन्द्र रूपी है अत: यह कर्मधारय समास है।
(iii) विकल्प (c) सही है।
व्याख्या—तीव्र है बुद्धि जिसकी 'बहुब्रीहि समास' है क्योंकि यह दूसरे के लिए प्रयुक्त होता है। हाथ और पैर 'द्वन्द्व' समास है क्योंकि ये दोनों पद प्रधान है और इसका विग्रह 'और' द्वारा हुआ है। छह रसों का समाहार 'द्विगु समास' है क्योंकि इसमें छह संख्यावाची विशेषण हैं तथा विग्रह में 'समाहार' शब्द प्रयुक्त हुआ है। स्त्रीरूपी धन 'कर्मधारय' समास है क्योंकि स्त्री और धन में उपमा-उपमेय का सम्बन्ध है।
(iv) विकल्प (d) सही है।
व्याख्या—यह कर्मधारय समास है क्योंकि इसमें प्राण और प्रिय में उपमा-उपमेय का सम्बन्ध है।
(v) विकल्प (a) सही है।
व्याख्या—इसमें प्रयुक्त पहला पद पँच संख्यावाची-विशेषण है अत: पंजाब, शब्द द्विगु समास है।

6. (i) विकल्प (c) सही है।
व्याख्या—'लाज रखना' मुहावरा का सही अर्थ सम्मान की रक्षा करना है अत: यह मुहावरा और अर्थ का जोड़ा सही है।
(ii) विकल्प (a) सही है।
व्याख्या—बहुत आसान काम का सही मुहावरा 'बाएँ हाथ का खेल' है अत: यह सही है।
(iii) विकल्प (a) सही है।
व्याख्या—'सुराग न मिलना' मुहावरा का अर्थ पता/जानकारी न मिलना हैं अत: विकल्प 'a' सही है।
(iv) विकल्प (a) सही है।
व्याख्या—रेखांकित शब्द बहुत मेहनत करनी पड़ती है का सही मुहावरा 'पापड़ बेलना' है।
(v) विकल्प (c) सही है।
व्याख्या—वाक्य के लिए सही मुहावरा कोल्हू का बैल है जिसका अर्थ दिन-रात काम में लगे रहना है।
(vi) विकल्प (d) सही है।
व्याख्या—'ऊँचाई पर होना' मुहावरा का सही अर्थ सातवें आसमान पर होना है।

10. (i) विकल्प (c) सही है।
(ii) विकल्प (a) सही है।

खण्ड-'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर)

11. (क) उपर्युक्त पंक्ति का आशय है कि यदि मकान की नींव कमज़ोर हो तो उस पर इमारत खड़ी नहीं हो सकती। वैसे ही जीवन में परिश्रम नहीं है तो जीवन को सुन्दर दिशा प्राप्त नहीं हो सकती। यहाँ नींव का तात्पर्य घर के बड़ों से तथा मकान का तात्पर्य भावी पीढ़ी से है।

(ख) 'तीसरी कसम' के शिल्पकार शैलेन्द्र सिनेमा की चकाचौंध के बीच रहते हुए भी यश और धन लिप्सा से कोसों दूर थे क्योंकि उन्हें झूठा रंग-ढंग या दिखावा बिलकुल पसन्द न था। इन्हें न धन-सम्पत्ति का लालच था, न नाम कमाने की इच्छा। इन्हें तो केवल अपने आप में सन्तोष की कामना थी।

(ग) वज़ीर अली एक नीतिकुशल योद्धा था। अंग्रेज़ी सरकार को चकमा देकर वह वर्षों तक अपनी कुशलता का परिचय देता रहा अत: उसकी नीति कुशलता के कारण ही लेफ्टीनेन्ट को वज़ीर अली भूत की तरह नज़र आ रहा था।

खण्ड–'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर)

3. **(i) विकल्प (d) सही है।**
व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में पकड़ना व रोना दोनों ही क्रिया के रूप हैं और लगना सहायक क्रिया होने से रेखांकित पदबन्ध क्रिया पदबन्ध है।
(ii) विकल्प (a) सही है।
व्याख्या—वाक्य में काफ़ी देर तक क्रिया की विशेषता बताने के कारण क्रिया विशेषण पदबन्ध का उदाहरण है।
(iii) विकल्प (a) सही है।
व्याख्या—वाक्य में रेखांकित वाक्य दालान, मकान व छत जातिवाचक संज्ञा के उदाहरण होने के कारण संज्ञा पदबन्ध के भेद हैं।
(iv) विकल्प (c) सही है।
व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में चिड़िया का जाल में फँसना विशेषता की ओर इंगित करने के कारण विकल्प (c) विशेषण पदबन्ध का उदाहरण है।
(v) विकल्प (b) सही है।
व्याख्या—सभी पद मिलकर संज्ञा की ओर संकेत करने के कारण विकल्प (b) संज्ञा पदबन्ध है।

4. **(i) विकल्प (a) सही है।**
व्याख्या—विकल्प (a) में एक उद्देश्य और एक विधेय होने के कारण वह सरल वाक्य का उदाहरण है। अन्य तीन मिश्र व संयुक्त वाक्य के उदाहरण हैं।
(ii) विकल्प (c) सही है।
व्याख्या—मुख्य उपवाक्य पर अन्य उपवाक्य आधारित होने के कारण विकल्प (c) सही है।
(iii) विकल्प (b) सही है।
(iv) विकल्प (c) सही है।
व्याख्या—(a) और (c) दोनों ही मिश्र वाक्य के उदाहरण हैं किन्तु (c) वाक्य ही मिश्र वाक्य का सटीक उदाहरण है।
(v) विकल्प (b) सही है।
व्याख्या—दो उपवाक्यों के बीच समान सम्बन्ध व मुख्य रूप से समुच्चय बोधक अव्यय से जुड़े होने के कारण विकल्प (b) सही है।

5. **(i) विकल्प (c) सही है।**
व्याख्या—'जितेन्द्रिय' अर्थात् इन्द्रियों को जीतने वाला इसलिए यह बहुब्रीहि समास का उदाहरण है।
(ii) विकल्प (b) सही है।
(iii) विकल्प (c) सही है।
(iv) विकल्प (a) सही है।
(v) विकल्प (c) सही है।
व्याख्या—'के' विभक्ति का लोप होने के कारण विकल्प (c) तत्पुरुष समास का उदाहरण है।

6. **(i) विकल्प (a) सही है।**
व्याख्या—सस्ता सौदा मुहावरे का अर्थ आसान उपाय होता है।
(ii) विकल्प (d) सही है।
(iii) विकल्प (c) सही है।
(iv) विकल्प (c) सही है।
व्याख्या—वाक्य में रेखांकित अंश 'अच्छी तरह समझ लो' का उचित मुहावरा 'गाँठ बाँधना' है।
(v) विकल्प (a) सही है।
(vi) विकल्प (a) सही है।

7. **(i) विकल्प (c) सही है।**
व्याख्या—यह पंक्ति मैथिलीशरण गुप्त द्वारा रचित कविता 'मनुष्य वही है जो मनुष्य के लिए मरे' कविता से ली गई है।
(ii) विकल्प (b) सही है।

खण्ड–'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर)

12. **(क)** सफ़ल खिलाड़ी वह है जिसका कोई निशाना खाली न जाए का आशय है कि नित अपने लक्ष्य को पाने के लिए बिना रुके बिना थके अथक परिश्रम करते रहना। बड़े भाई साहब लेखक के पास हो जाने पर उन्हे जब आत्माभिमान होने लगता है कि वे खेलते-कूदते हुए भी कम परिश्रम से हर दर्ज़े में अव्वल आ रहे हैं और बड़े भाई साहब दिन-रात की जी तोड़ मेहनत के बाद भी पास नहीं हो पा रहे हैं। तब लेखक को उपदेश देते हुए बड़े भाई साहब ने यह वाक्य कहा है।

(ख) तीसरी कसम फ़िल्म साहित्यकार फणीश्वर नाथ रेणु के उपन्यास मारे गए गुलफ़ाम पर आधारित थी। जिसे शैलेन्द्र जी ने परदे पर उतारा था। अपनी भाव प्रभावता का सर्वश्रेष्ठ तथ्य प्रदान किया। हमारी फ़िल्मों की सबसे बड़ी कमज़ोरी होती है कि वे असल जीवन की त्रासदी से कोसों दूर होती हैं अर्थात् उन्हें ग्लोरिफाई किया जाता है। परन्तु तीसरी कसम फ़िल्म की खास बात यह थी कि वह जीवन की पारंपारिकता त्रासदी व दु:ख को भी सहज स्थिति में जीवन सापेक्ष प्रस्तुत करती है।

(ग) वज़ीर अली के चरित्र ने हमें बहुत प्रभावित किया है क्योंकि वह एक सच्चा देशभक्त था। जो अंग्रेज़ों से नफ़रत करता था। वह किसी भी कीमत पर हिन्दुस्तान को अंग्रेज़ों से आज़ाद कराना चाहता था। वह जाँबांज़ सिपाही था नि:संदेह वज़ीर अली के चरित्र ने ही हमें मुख्य रूप से प्रभावित किया है क्योंकि उससे हमें देशहित में कार्य करने की प्रेरणा मिलती है।

❑❑❑